पृष्ठ.. 4 पर पढ़ें..

पति से 12 साल अंतर पर गौहर खान ने किया रिएक्ट

मुंबई, ठाणे, नवी मुंबई, पनवेल, रायगड़, उल्हासनगर, कल्याण एवं अंबरनाथ का
लोकप्रिय हिंदी दैनिक

उल्हास विकास

■ वर्ष : 44 ■ अंक : 124 ■ मंगलवार, 29 जुलाई 2025 ■ पृष्ठ 4

3 रुपए

FOLLOW US @ulhasvikas ulhasvikas@gmail.com

संपादक - हीरो अशोक बोधा BMM, L.L.B., M.A. Mobile.:- 9822045566

epaper.ulhasvikas.com

17 वर्षीय युवक की करंट लगने से मौत

उल्हासनगर. घर में टपक रहे बारिश के पानी को रोकने छत पर गए 17 वर्षीय युवक की बिजली का करंट लगने से मौत हो गई. यह हृदयविदारक घटना उल्हासनगर में हुई।

उल्हासनगर कैंप-2 के पास शास्त्री नगर इलाके की पंजाबी कॉलोनी में सोमवार (28) दोपहर करीब 12 बजे 17 वर्षीय आयुष रॉय अपने पिता के साथ घर की टपकती छत पर प्लास्टिक लगाने गया था। इसी दौरान उसने बिजली के खुले तारों को छू लिया। इससे उसे ज़ोरदार बिजली का झटका लगा। आयुष कुछ ही पलों में बेहोश हो गया। उसे तुरंत सेंट्रल अस्पताल में भर्ती कराया गया, लेकिन डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

■ महावितरण विभाग की लापरवाही

उसके परिवार सहित स्थानीय नागरिकों ने महावितरण विभाग की लापरवाही पर कड़ा रोष व्यक्त किया। मृतक आयुष के परिजनों ने बताया कि उन्होंने छत से गुज़र रहे बिजली के खुले तारों की शिकायत महावितरण से की थी, लेकिन उस शिकायत पर ध्यान नहीं दिया गया। कोई भी अधिकारी या कर्मचारी घटनास्थल का मुआयना करने नहीं आया।

नागरिकों ने रोष व्यक्त किया कि इस लापरवाही के कारण एक निर्दोष छात्र की मौत हो गई। इस घटना से पूरे इलाके में शोक व्याप्त है। पड़ोसी, दोस्त और नागरिक उनके घरों के सामने इकट्ठा हुए और महाराष्ट्र वितरण कंपनी के खिलाफ कड़ा रोष व्यक्त किया। कुछ नागरिकों ने तो दोषी अधिकारियों के खिलाफ मामला दर्ज करने की भी मांग की है।

■ आंदोलन की चेतावनी

महाराष्ट्र वितरण कंपनी की ओर से अभी तक कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं आई है; हालाँकि, इस घटना ने बिजली सुरक्षा के मुद्दे पर सवाल खड़े कर दिए हैं। स्थानीय नागरिकों ने चेतावनी दी है कि अगर इस मामले में दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई नहीं की गई तो वे प्रशासन के खिलाफ एक ज़ोरदार जन आंदोलन शुरू करेंगे।

गांव से बदतर उल्हासनगर की सड़कें

जान हथेली पर लेकर यात्रा करने को मजबूर विद्यार्थी

सड़कें खोदे जाने के कारण पाइपलाइनों से यात्रा करनी पड़ रही है

- उल्हासनगर-3 आईटीआई कालेज परिसर की घटना
- भ्रष्ट कार्य का नतीजा, ठेकेदार पर कार्रवाई हो
- उल्हासनगर में 'खतरों के खिलाड़ी'
- खुदी सड़कों और पाइपलाइनों पर संतुलन बना रहे छात्र

उल्हासनगर. उल्हासनगर महानगर पालिका का कथित विकास पैटर्न एक बार फिर पूरी तरह से फर्जी और लोगों की जान से खिलवाड़ करने वाला साबित हुआ है। इसका ताजा उदाहरण कैंप-3 स्थित सपना गार्डन के पास देखने को मिल रहा है. यहां छात्रों को जान हथेली पर लेकर खोदी गई सड़कों और पाइपलाइनों पर संतुलन बनाकर सफर करना पड़ रहा है।

उल्हासनगर महानगर पालिका का 'सड़क खुदाई अभियान' नागरिकों के लिए सिरदर्द बनता जा रहा है। कई महीनों से उल्हासनगर के विभिन्न इलाकों में विभिन्न परियोजनाओं के लिए सड़कें खोदी गई थीं। लेकिन आज तक इन सड़कों की मरम्मत नहीं की गई है।

नतीजतन, नागरिकों, खासकर स्कूली बच्चों को खतरनाक परिस्थितियों में सफर करना पड़ रहा है। सपना गार्डन इलाके में ऐसी ही एक खुदी सड़क पर पाइपलाइन के ऊपर से बच्चों को स्कूल जाने की एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है। इसमें बच्चे फिसलन भरी, खुली और नाली की पाइपों पर बेहद असुरक्षित तरीके से संतुलन बनाते दिख रहे हैं। इस तरह का नज़ारा देखकर कोई भी हैरान रह जाएगा, क्योंकि साफ़ है कि ऐसा सफ़र न सिर्फ़ ग़ैरज़िम्मेदाराना है, बल्कि ज़िंदगी से खिलवाड़ करने वाली भी है।

इस इलाके की सड़कों की हालत मानसून के कारण और भी ख़राब हो गई है और पानी जमा होने से टूटी पाइपें और गड्ढे छिपे रहते हैं। इससे हादसों की आशंका बढ़ गई है। स्थानीय विधायक कुमार आयलानी के नाम पर लगातार विकास कार्यों का ढिंढोरा पीटा जा रहा है। शहर भर में भव्य भूमिपूजन समारोह, उद्घाटन कार्यक्रम और बैनर लगाने पर लाखों रुपये खर्च किए जा रहे हैं। लेकिन हकीकत में वे काम पूरे नहीं हो रहे हैं। कई जगहों पर तो सालों से काम अधूरे पड़े हैं। महानगर पालिका प्रशासन के अधिकारी भी सिर्फ़ कागज़ों पर काम दिखाकर अपनी ज़िम्मेदारी पूरी समझ लेते हैं। इन सब हालातों में शहर में 'विकास' शब्द लोगों के लिए मज़ाक बनकर रह गया है।

CCTV में कैद हुई पीलिया दवा दुकान में चोरी

उल्हासनगर. उल्हासनगर में एक दवा की दुकान में चोरी हुई है और चोरों ने पैसों का डिब्बा चुरा लिया है। उल्हासनगर के कैंप 4 स्थित गजानन नगर में एक दवा की दुकान है। इस दुकान में पीलिया की दवा मिलती है। आज सुबह करीब 5 बजे कुछ अज्ञात युवक दुकान का शटर तोड़कर दुकान में घुसे और पैसों का डिब्बा चुराकर फरार हो गए। पूरी घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है। हरिओम ने बताया कि डिब्बे में करीब 5 से 6 हज़ार रुपये थे और इस मामले में विट्ठलवाड़ी पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज कराया गया है। पुलिस सीसीटीवी के आधार पर चोर की तलाश कर रही है।

प्रशासनिक अधिकारी और मुख्य लेखा अधिकारी के हस्ताक्षर के अभाव में

उल्हासनगर मनपा के शिक्षकों का वेतन अटका

उल्हासनगर. उल्हासनगर मनपा में प्रशासनिक उथल-पुथल का शिक्षा जगत पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने लगा है। उल्हासनगर मनपा के शिक्षण मंडल में प्रशासनिक अधिकारी और मुख्य लेखा अधिकारी के स्थानांतरण और नियुक्ति प्रक्रिया में पैदा हुई उलझन के कारण 21 स्कूलों के 114 शिक्षकों का जून माह का वेतन अटक गया है।

हस्ताक्षर प्रक्रिया में आई बाधा अभी तक दूर नहीं हुई है। इसलिए अब जुलाई माह का वेतन भी अटकने की नौबत आ गई है। शिक्षक इस पर कड़ी नाराजगी जता रहे हैं और आर्थिक तंगी से जूझते हुए भारी तनाव का सामना कर रहे हैं।

शिक्षण मंडल के प्रशासनिक अधिकारी और मुख्य लेखा अधिकारी का पिछले महीने स्थानांतरण हो गया था। हालाँकि, मुख्य लेखा अधिकारी ने कड़ी मशक्कत के बाद कार्यभार तो संभाल लिया, लेकिन उनके हस्ताक्षर अभी तक आधिकारिक तौर पर दस्तावेजों में अपडेट नहीं किए गए हैं। दूसरी ओर, प्रशासनिक अधिकारियों की नियुक्ति अभी तक नहीं हो पाई है और अस्थायी तौर पर प्रभारी अधिकारी की नियुक्ति की प्रक्रिया भी रुकी हुई है। गौरतलब है कि प्रशासनिक अधिकारी की अनुपस्थिति में कार्यरत 'विस्तार अधिकारी' का पद भी कई वर्षों से रिक्त है। परिणामस्वरूप, शिक्षकों के वेतन के लिए आवश्यक हस्ताक्षर न मिलने के कारण वेतन प्रक्रिया ठप पड़ी है।

इस सारी अव्यवस्था में, शिक्षकों को आर्थिक संकट का सामना करना पड़ रहा है क्योंकि उन्हें हर महीने की शुरुआत में समय पर वेतन नहीं मिल रहा है। शिक्षकों को अपने परिवार की सभी ज़रूरतों, गृह ऋण, शिक्षा व्यय और दैनिक ज़रूरतों के लिए समय पर वेतन न मिलने से बेचैनी महसूस हो रही है। इस संबंध में, शिक्षकों ने वरिष्ठ प्रशासन को पत्र लिखकर तत्काल उपाय करने की मांग की है। यह स्पष्ट हो रहा है कि नगर निगम के आंतरिक मामलों में पारदर्शिता की कमी न केवल शिक्षकों को बल्कि पूरी शिक्षा व्यवस्था को प्रभावित कर रही है।

इमारत से गिरकर मज़दूर की मौत

बदलापुर. पश्चिमी बदलापुर के वालीवली गाँव में एक मज़दूर की इमारत से गिरकर मौत हो गई। मज़दूर का नाम निरंजन रायता है। यहाँ एक निर्माणाधीन इमारत की तीसरी मंज़िल की गैलरी से लकड़ी का प्लाई ले जाते समय फिसलकर गिरने से लगी चोटों के कारण उसकी मौत हो गई। पिछले महीने ज़ोन 4 में मज़दूरों को सुरक्षा उपकरण उपलब्ध कराए बिना हुई दुर्घटनाओं के कारण चार मौतें हुई हैं। इस संबंध में बदलापुर पश्चिम पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया है। पिछले कुछ महीनों में उल्हासनगर, अंबरनाथ और बदलापुर शहरों में मज़दूरों की मौत के कुछ मामले सामने आए हैं। उल्हासनगर शहर में कई नवीनीकरण कार्य चल रहे हैं। हालाँकि, इन कार्यों के दौरान मज़दूरों की सुरक्षा का कोई ध्यान नहीं रखा जा रहा है।

आरोपी ने ही रचा हमले का नाटक

- पुलिस की सतर्कता से सच्चाई सामने आई
- 5 गिरफ्तार

अंबरनाथ. अंबरनाथ के जावसाई गांव में दो वर्ष पूर्व विनयभंग करने वाले पर पुलिस में दर्ज केस वापस लेने के लिए एक आरोपी ने स्वतः पर हमले का नाटक रचा है. पुलिस ने जांच करने के बाद इस झूठे केस को सामने लाकर पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है. मुख्य आरोपी को उपचार के लिए अस्पताल में दाखिल किया गया है.

आकाश गुप्ता (26) पर दो वर्ष पूर्व विनयभंग का अपराध दर्ज हुआ था. ये केस न्याय प्रविष्ठ है. केस पीछे लेने के लिए आकाश ने अपने दोस्तों की मदद से 24 जुलाई को महिंद्र नगर जावसाई में उसने अपने मित्र अजित चव्हाण (26) पर चाकू से हमला करके खुद को भी चाकू मारकर घायल कर लिया. चव्हाण गंभीर घायल होने के बाद उसे उल्हासनगर के अस्पताल में दाखिल किया गया. आकाश पर भी उपचार शुरू है. उन पर हमला विनयभंग के फिर्यादी के पिता और भाई ने करने का झूठा आरोप पुलिस में दर्ज किया गया. लेकिन वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक शब्बीर सय्यद को शक हुआ, उन्होंने जांच शुरू की. घटनास्थल के आसपास के सीसीटीवी फुटेज जांच करने के बाद पुलिस ने आरोपी से पूछताछ की. आरोपी ने अपना जुर्म कबूल करते हुए पुलिस को बताया कि उसने उस पर दर्ज विनयभंग का मामला वापस लेने के लिए ये सब कांड किया है. अंबरनाथ पुलिस ने आकाश गुप्ता, कन्हैया गुप्ता, सिद्धार्थ गायकवाड़, आदित्य जैसवार और मोनू कश्यप पर अपराध दर्ज करके उन्हें गिरफ्तार किया है. आरोपियों को न्यायालय में पेश करके दो दिन के पुलिस रिमांड पर ले लिया गया है.

अंबरनाथ पुलिस को सतर्क रहने की सलाह

- सुबह के समय महिला पर हमला
- सुनिल चौधरी ने पुलिस को दिया निवेदन
- 100 नंबर डायल करने पर भी पुलिस नहीं आई

उल्हास विकास संवाददाता

अंबरनाथ. अंबरनाथ पूर्व के लोकनगरी परिसर में दौड़ने का रोजाना प्रैक्टिस करने वाली धावक साक्षी पर झाड़ियों में से अचानक बाहर आकर एक व्यक्ति ने उसको पीछे से पकड़ लिया. महिला ने उस व्यक्ति से मुकाबला किया.

ये घटना 27 जुलाई रविवार सुबह 5.45 बजे की है. उस समय अंधेरा था. उनके साथ भाग रहे धावकों ने उसकी मदद की. वरना अनर्थ हो जाता. ऐसा एक निवेदन पूर्व नगराध्यक्ष सुनिल चौधरी ने सहायक पुलिस आयुक्त एवं दोनों पुलिस स्टेशन के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षकों को देकर कहा है कि उस समय महिला ने 100 नंबर डायल करके तुरंत पुलिस भेजने के लिए कहा लेकिन उनको पुलिस ने कहा कि आप पुलिस स्टेशन में जाकर शिकायत करें. जबकि पुलिस को उस पीड़ित महिला की सहायता के लिए तुरंत जाना चाहिए था. ये एक गंभीर बाब है, ऐसा सुनिल चौधरी ने निवेदन में कहा है. इस घटना के बाद महिलाओं में डर का वातावरण है. ये केवल एक व्यक्ति से संबंधित मामला नहीं है. रोजाना सुबह में पुलिस भरती के लिए तैयारी करने वाली महिलाएं, विविध खेलों के लिए प्रैक्टिस करने वाले युवक-युवती, एमआईडीसी में काम पर जाने वाली महिलाएं कर्मचारी, नियमित वॉकिंग करने वालों के जीने मरने व सुरक्षितते का विषय है. चौधरी ने पुलिस विभाग से मांग की है कि लोकनगरी रोड, बायपास रोड, पाले गांव रास्ता, हुतात्मा चौक, शहर पश्चिम में तीन झाड़ी परिसर, महिलाओं के दौड़ने, वॉकिंग करने वाले प्रमुख मार्ग हैं. इन ठिकानों पर झाड़ियां, एकांत से होने से गुन्हेगारी प्रवृत्त को बढ़ावा मिलता है. ये एक संवेदनशील विषय है. इसलिए पुलिस ने तत्काल प्रभावी कदम उठाने की मांग सुनिल चौधरी ने की है.

नाग पंचमी के लिए सजे बाज़ार नाग मूर्तियों की माँग बढ़ी

कल्याण. श्रावण मास के प्रारंभ होते ही त्योहारों का सिलसिला शुरू हो जाता है। चूँकि इस वर्ष नाग पंचमी मंगलवार (दिनांक 29) को मनाई जा रही है, इसलिए खरीदारी के लिए बाज़ारों में नागरिकों की भारी भीड़ देखी जा रही है। पूजन सामग्री की खरीदारी शुरू हो गई है और विशेष रूप से मिट्टी की नाग मूर्तियों की माँग बढ़ रही है। ग्रामीण क्षेत्रों में नाग पंचमी के दिन नाग की पूजा की जाती है; हालाँकि, शहरी क्षेत्रों में महिलाएँ प्रतीकात्मक रूप से मिट्टी की नाग मूर्तियों की पूजा करती हैं। इसी के चलते, विभिन्न रंग-बिरंगी मिट्टी की नाग मूर्तियाँ बिक्री के लिए बाज़ार में आ गई हैं। इन मूर्तियों की कीमत लगभग 30 रुपये से लेकर 80 रुपये तक है और ये छोटे, मध्यम और बड़े आकार में उपलब्ध हैं। इसके अलावा, पूजन सामग्री में फल, फूल, दूर्वा, हल्दी-कंद, चंदन, नैवेद्य सामग्री और नाग पंचमी विशेष मालाओं की आवक भी बढ़ गई है। बाज़ार में खरीदारी के लिए लोगों की भीड़ देखने को मिल रही है.

कचोरे में ज़मीन धंसने से 6 घर ढह गए

कल्याण. कल्याण पूर्व के कचोरे पहाड़ी पर ज़मीन धंसने से छह मकान ढह गए. गनीमत रही कि इस हादसे में किसी की जान नहीं गई। मनपा प्रशासन ने यहाँ के निवासियों को सुरक्षित स्थान पर पहुँचा दिया है।

कचोरे पहाड़ी पर बड़ी संख्या में चालानुमा घर हैं। दो दिनों से हो रही लगातार बारिश के कारण पहाड़ी पर ज़मीन धंसने से यहाँ छह से सात घरों की दीवारें ढह गईं। इलाके के नागरिकों ने एहतियात बरतते हुए आसपास रहने वाले निवासियों को उनके घरों से बाहर निकलने में मदद की। इस घटना में कोई हताहत नहीं हुआ। गनीमत रही कि जिस घर की दीवार गिरी, उसके साथ पाँच अन्य छह घर खाली थे। इस घटना की सूचना मिलते ही तिलकनगर थाने के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक विजय कदम मनपा की सहायक आयुक्त हेमा मुंबरकर के साथ मौके पर पहुँचे। आसपास के निवासियों को सुरक्षित स्थान पर पहुँचा दिया गया है।

सहायक आयुक्त हेमा मुंबरकर ने बताया कि मानसून के दौरान भूस्खलन की संभावना बनी रहती है। इसलिए, इस पहाड़ी पर रहने वाले नागरिकों को सुरक्षा कारणों से अपने घर खाली करने की सलाह दी जाती है। जिन घरों की दीवारें गिरी हैं, उनमें कोई नहीं रहता था। उन्होंने बताया कि स्थानीय नागरिकों ने पहल की और ढहे हुए घरों को गिराने का काम शुरू कर दिया।

इस बीच, कचोरे के नेतिवली में पहाड़ी पर भूस्खलन की घटनाएँ पहले ही हो चुकी हैं। मनपा प्रशासन यहाँ के निवासियों को मानसून के दौरान अपने घर खाली करने के लिए नोटिस भी जारी करता है, लेकिन चूँकि निवासी स्थायी पुनर्वास की माँग को लेकर अपने घर छोड़ने को तैयार नहीं होते, इसलिए उन्हें हर साल इस स्थिति का सामना करना पड़ता है।

श्रावण सोमवार को शिव मंदिर में भक्तों का सैलाब

- सुविधाओं का रहा भारी अभाव
- भारी बारिश में दर्शन के लिए कतार में लगे भक्त

अंबरनाथ. श्रावण मास के पहले सोमवार को ठाणे जिले के प्रसिद्ध अंबरनाथ शिव मंदिर में दर्शन के लिए हजारों की संख्या में भक्त उमड़ पड़े। सुबह से ही मंदिर के बाहर लंबी कतारें लग गईं। हालांकि, भारी बारिश में भक्तों को बिना किसी सुविधा के दर्शन करने पड़े। भक्तों के लिए न केवल छत थी, बल्कि यहाँ पीने के पानी और शौचालय की भी कोई अस्थायी सुविधा नहीं थी। इस कारण भक्तों ने अपनी नाराजगी व्यक्त की।

राज्य में शिलाहार काल के सबसे संरक्षित मंदिरों में से एक, ठाणे जिले के अंबरनाथ शहर में एक शिव मंदिर है। इस मंदिर में दर्शन के लिए राज्य भर से कई पर्यटक, इतिहास और पुरातत्व के विद्वान आते हैं। इस मंदिर में स्थानीय लोग और शिव भक्त पूजा करते हैं। महाशिवरात्रि के साथ-साथ श्रावण मास में भी यहाँ एक बड़ा उत्सव आयोजित किया जाता है। इसके साथ ही, स्थानीय सांसद डॉ. श्रीकांत शिंदे के माध्यम से यहाँ शिव मंदिर कला महोत्सव का भी आयोजन किया जाता है। इस अवसर पर लाखों नागरिक इस मंदिर में दर्शन के लिए आते हैं। पिछले कुछ वर्षों में इस मंदिर का महत्व काफ़ी बढ़ गया है। इसी कारण प्रतिदिन हज़ारों भक्त यहाँ दर्शन के लिए आते हैं।

अस्थायी शौचालय की भी व्यवस्था नहीं

इसके साथ ही, यहाँ पीने के पानी या अस्थायी शौचालय की कोई सुविधा नहीं थी। मंदिर के पास पहुँचने के बाद चप्पल रखने की भी कोई व्यवस्था नहीं थी। इसलिए, भक्तों को सड़क पर ही अपने चप्पल-जूते उतारकर दर्शन के लिए जाना पड़ा। इस वजह से भक्तों ने इस पर नाराजगी जताई।

श्रावण मास के पहले सोमवार को अंबरनाथ के इस शिव मंदिर में भक्तों की भारी भीड़ उमड़ी। सुबह से ही भक्तों की लंबी कतारें लग गईं। मंदिर में यह कतार उल्हासनगर के कैलाश कॉलोनी रोड तक पहुँच गई थी। सोमवार को दर्शन के लिए बच्चे, महिलाएं और वरिष्ठ नागरिक बड़ी संख्या में कतारों में खड़े थे। हालाँकि, यहाँ भक्तों की सुविधाओं को लेकर भारी उदासीनता देखी गई। भक्तों के लिए दर्शन कतार में छत नहीं थी। इस कारण भक्तों को बारिश में भीगते हुए कतार में खड़ा रहना पड़ा।

महाशिवरात्रि के दौरान कुछ सुविधाएँ प्रदान की जाती हैं। हालाँकि, भक्त मांग कर रहे थे कि ये सुविधाएँ कम से कम श्रावण सोमवार को उपलब्ध होनी चाहिए। इस बारे में पूछे जाने पर, अंबरनाथ नगर पालिका के मुख्य अधिकारी उमाकांत गायकवाड़ ने कहा कि भक्तों को असुविधा पहुँचाना उचित नहीं है। उन्होंने कहा कि अधिकारियों से तुरंत जानकारी प्राप्त की जाएगी और उचित सुविधाएँ प्रदान की जाएँगी।

शिक्षा से वंचित 200 बच्चे पहुंचे स्कूल

ठाणे. कोई भी बच्चा शिक्षा से वंचित न रहे, यह सुनिश्चित करने के लिए ठाणे जिले में एक पखवाड़े से स्कूल न जाने वाले बच्चों की खोज अभियान चलाया जा रहा है. इसी के तहत, जिला शिक्षा विभाग ने जुलाई के दस दिनों की अवधि के दौरान जिले में 200 स्कूल न जाने वाले बच्चों की खोज कर उन्हें शिक्षा की धारा में वापस लाने में सफलता प्राप्त की है. जिला शिक्षा विभाग ने बताया कि इसमें सबसे अधिक यानी 109 बच्चों ने भाग लिया.

ठाणे जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में कई परिवार रोजगार के लिए आते हैं. इन परिवारों में स्कूली बच्चे भी शामिल हैं. इस बढ़ते पलायन के कारण स्कूल न जाने वाले बच्चों, खासकर लड़कियों की संख्या बढ़ने की आशंका है. इसलिए, स्कूल न जाने वाले, प्रवासी और अनियमित बच्चों के लिए हर साल जिला स्तर पर एक खोज अभियान चलाया जाता है. इसी के तहत, इस वर्ष जुलाई पहले पखवाड़े में स्कूल न जाने वाले बच्चों की तलाशी के लिए अभियान चलाया जा रहा है.

इस वर्ष, जिले में ईंट-भट्ठों, पत्थर खदानों, निर्माण स्थलों, रेलवे स्टेशनों, मलिन बस्तियों, कैंटीनों जैसे विभिन्न स्थानों पर स्कूल न जाने वाले बच्चों की तलाश की जा रही है. इस अभियान में पिछले 10 दिनों में जिले में 200 स्कूल न जाने वाले बच्चे मिले हैं. जिला शिक्षा विभाग से प्राप्त रिपोर्ट के अनुसार, यह स्पष्ट है कि स्कूल न जाने वाले बच्चों का अनुपात लड़कियों से अधिक है. शिक्षा विभाग ने जानकारी दी कि लड़कों की संख्या 101 है, जबकि लड़कियों की संख्या 99 है.

स्कूल न जाने वाले बच्चों के नगरपालिका और तालुका आँकड़े

शहर	लड़के	लड़कियाँ
नवी मुंबई	18	20
भिवंडी	18	35
मीराभाईंदर	23	13
कल्याण-डोंबिवली	21	14
उल्हासनगर	08	06
भिवंडी	05	04
शाहपुर	08	07

जैसे पके हुए फलों को गिरने के सिवा कोई भय नहीं वैसे ही पैदा हुए मनुष्य को मृत्यु के सिवा कोई भय नहीं. – वाल्मीकि

उल्हास विकास

संपादकीय

बच्चों के जीवन से खिलवाड़

विद्यालय में शिक्षक बच्चों को सीख देते हैं कि उन्हें अपना कार्य पूरी लगन, मेहनत और जिम्मेदारी के साथ करना चाहिए। मगर, राजस्थान में झालावाड़ के पिपलोदी गांव स्थित सरकारी विद्यालय के शिक्षक एवं प्रबंधन खुद अपनी जिम्मेदारी भूल गए और जर्जर भवन का एक हिस्सा ढहने से कई घरों के चिराग बुझ गए। हादसे में सात मासूमों की जान चली गई। इस दुखद घटना ने ग्रामीण इलाकों में सरकारी विद्यालयों के बुनियादी ढांचे की स्थिति और व्यवस्थागत प्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

क्या शिक्षकों और विद्यालय प्रबंधन को इस बात की जानकारी नहीं थी कि भवन का यह हिस्सा जर्जर हो चुका है और यहां कक्षाएं संचालित करना हादसे को न्योता देना है? अगर सब मालूम था तो ऐसा जोखिम उठाने की क्या वजह रही? पीड़ित परिवार की पीड़ा इन सवालों के जवाब ढूंढ़ रही है। झालावाड़ के जिला अधिकारी का कहना है कि प्रशासन ने हाल ही में शिक्षा विभाग को किसी भी जर्जर स्कूल भवन की जानकारी देने का निर्देश दिया था, लेकिन इस विद्यालय का भवन सूची में शामिल नहीं था। जब यह हादसा हो गया तो प्रशासन ने इस भवन के दूसरे हिस्से को भी गिरा दिया, ताकि वहां गलती से भी कक्षाएं संचालित न की जाएं। यही नहीं, राज्य सरकार ने अब विद्यालयों की तमाम इमारतों का सुरक्षा सर्वेक्षण कराने के निर्देश भी दिए हैं। मगर, सवाल है कि शासन-प्रशासन की ओर से ऐसी सतर्कता किसी हादसे के बाद ही क्यों दिखाई देती है?

क्या ऐसी लापरवाही इसलिए बदस्तूर चलती रहती है कि ऐसे स्कूलों में पढ़ने वाले बच्चे आमतौर पर समाज के हाशिये के तबके से आते हैं? अगर जिला अधिकारी की ओर से कोई निर्देश दिया जाता है तो उस पर अमल सुनिश्चित करना किसकी जिम्मेदारी है? यह हादसा सिर्फ एक बानगी है, देशभर में न जाने कितने विद्यालय जर्जर इमारतों में संचालित हो रहे हैं। राज्य सरकारों को चाहिए कि ऐसी इमारतों की पहचान कर उन्हें असुरक्षित घोषित किया जाए। साथ ही लापरवाही बरतने वालों की जवाबदेही तय कर उनके खिलाफ उचित कार्रवाई की जाए, ताकि विद्यालयों में बच्चों की जिंदगी से खिलवाड़ न हो।

मताधिकार का स्पष्ट आधार है नागरिकता

बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआइआर प्रक्रिया को लेकर राजनीतिक मोर्चे पर तकरार जारी है। तकरार में एक मुद्दा नागरिकता और मताधिकार का भी है। आज सुप्रीम कोर्ट में इस मामले पर सुनवाई भी होनी है। राजनीतिक कोलाहल से इतर देखा जाए तो यह संवेदनशील एवं महत्वपूर्ण मुद्दा है। इसके गहरे निहितार्थ हैं, क्योंकि संविधान यह प्रविधान करता है कि 25 साल से अधिक का कोई मतदाता देश के किसी भी हिस्से से विधायक, सांसद, मुख्यमंत्री और यहां तक कि प्रधानमंत्री भी बन सकता है।

इसलिए यह चुनाव आयोग का दायित्व बन जाता है कि ऐसा कोई भी व्यक्ति मतदाता न बनने पाए जो भारत का नागरिक न हो। यह सुनिश्चित करने के लिए चुनाव आयोग को संविधान ने पर्याप्त अधिकार भी दिए हैं। अनुच्छेद 324 निर्वाचन आयोग को निर्वाचक नामावली के रखरखाव तथा स्वतंत्र एवं निष्पक्ष रूप से निर्वाचनों के संचालन की शक्ति देता है और उसके कार्यों को परिभाषित करता है। वहीं, अनुच्छेद 326 में यह उपबंध है कि लोकसभा और प्रत्येक राज्य की विधानसभा के निर्वाचन, वयस्क मताधिकार के आधार पर होंगे, भारत का प्रत्येक नागरिक जिसकी आयु इस संबंध में विधि द्वारा यथानिर्धारित तिथि को 18 वर्ष से कम न हो और जो अन्यथा अयोग्य घोषित न किया गया हो, ऐसे किसी भी निर्वाचन में मतदाता के रूप में पंजीकृत होने का हकदार होगा।

नागरिकता का यही संदर्भ जनप्रतिनिधि अधिनियम, 1950 की धारा 16 में है। इसके अनुसार जो व्यक्ति भारत का नागरिक नहीं, वह मतदाता के रूप में पंजीकृत होने का भी पात्र नहीं। इस तरह संविधान और संसद द्वारा पारित निर्वाचन संबंधी कानून दोनों स्पष्ट रूप से यह प्रविधान करते हैं कि केवल भारतीय नागरिक को ही मतदान का अधिकार मिल सकता है। जनप्रतिनिधि कानून की धारा 14 यह भी निर्धारित करती है कि जहां तक मतदाता सूची को तैयार करने का सवाल है तो यह कवायद संबंधित वर्ष की जनवरी, अप्रैल, जुलाई या अक्टूबर से शुरू की जा सकती है। धारा 21 चुनाव आयोग को लोकसभा या राज्य विधानसभा चुनाव से पहले उपयुक्त तिथि के संदर्भ में अपेक्षाओं के अनुरूप मतदाता सूची तैयार करने या उसे संशोधित करने का अधिकार प्रदान करती है। इसे देखते हुए मतदाता सूची से जुड़ी चुनाव आयोग की कवायद पर सवाल उठाना बेतुका ही कहा जाएगा। इसका विरोध करने वाले राजनीतिक दलों के तर्क गले नहीं उतरते।

इस संदर्भ में एक बहुत दिलचस्प मामला है। यह मामला किसी और से नहीं, बल्कि खुद नेहरू-गांधी परिवार से जुड़ा है। इसमें गैर-भारतीय नागरिक के मतदाता बनने और फिर एक जागरूक नागरिक द्वारा आपत्ति जताए जाने के बाद उस नाम को मतदाता सूची से हटाना पड़ा था। यह जनवरी 1980 की बात है। दिल्ली में मतदाता सूची संशोधित की जा रही थी। उस संशोधन में सोनिया गांधी का नाम शामिल किया गया था, जबकि उस समय वे इटली की नागरिक थीं। उस समय जनप्रतिनिधि अधिनियम, 1951 लागू था। उसके अंतर्गत सूची में शामिल होने के लिए मतदाता को अपना नाम, पता, जन्मतिथि की जानकारी के साथ यह उद्घोषणा भी करनी थी कि वह भारत का/की नागरिक है। इन दावों के सत्यापन के बाद ही चुनाव प्राधिकारी संस्था संबंधित व्यक्ति का नाम मतदाता सूची में दर्ज करती थी। उस कानून में यह प्रविधान भी था कि किसी गलत दावे या गलत प्रतिनिधित्व के मामले में ऐसा करने वाले व्यक्ति को छह महीनों की कारावास तक हो सकती थी।

सोनिया गांधी का मूल नाम एंटोनिया माइनो था। उनका विवाह 1968 में तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के पुत्र राजीव गांधी से हुआ था। नागरिकता अधिनियम के अंतर्गत आवेदन करने पर पांच साल बाद 1973 में वे भारत की नागरिक बन सकती थीं, लेकिन उन्होंने इसके लिए आवेदन ही नहीं किया। अपनी इतालवी नागरिकता के बावजूद नई दिल्ली संसदीय क्षेत्र की मतदाता सूची में इंदिरा गांधी, राजीव गांधी, संजय गांधी और मेनका गांधी के साथ उनका नाम भी जोड़ दिया गया था।

ध्यानाभ्यास के द्वारा जीवन के वो सभी रहस्य जो मानवता को उलझाए हुए हैं, सुलझ जाते हैं।

- संत राजिन्दर सिंह जी महाराज

स्थान - सावन कृपाल रूहानी मिशन, सावन आश्रम, परम संत कृपाल सिंह जी महाराज चौक, खेमानी रोड, उल्हासनगर-२

देखें सत्संग आस्था चैनल पर हर रोज़ सोम - शनि सुबह ८.२० से ८.४० तक

सभ्य कहलाने वाले देशों में नस्लीय हमले

यह विचित्र विडंबना है कि जिस दौर में विश्व भर में किसी समाज के विकास को आधुनिकता के आईने में देखने की अपेक्षा की जाती है, उसमें कई बार कुछ घटनाएं इस कसौटी पर बहुस्तरीय नाकामी को रेखांकित करती हैं। ऐसी सामाजिक प्रवृत्तियों का सिरा ढूंढ़ना मुश्किल हो जाता है, जिसमें एक ओर कोई समाज सभ्यता के मानदंडों पर अन्य के मुकाबले अपने श्रेष्ठ होने का दंभ भरे, लेकिन वहीं कुछ लोगों का व्यवहार ऐसा भी हो जो उनके दुराग्रहों और कुंठाओं से भरे होने का सूचक हो।

गौरतलब है कि आस्ट्रेलिया के मेलबर्न में एक हिंदू मंदिर और दो एशियाई रेस्तरां की दीवारों को नस्लवादी भित्तिचित्रों से विकृत कर दिया गया और नस्ली नफरत फैलाने वाली बातें लिखी गईं। खबर के मुताबिक, स्थानीय पुलिस ने इस घटना की पुष्टि जरूर की और कहा कि हमारे समाज में घृणा आधारित और नस्लवादी व्यवहार के लिए बिल्कुल जगह नहीं है। यानी जिन लोगों ने नस्ली नफरत फैलाने की कोशिश की, उन्हें स्थानीय स्तर पर कोई व्यापक समर्थन नहीं है। इसके बावजूद अक्सर ऐसी घटनाएं होते रहने की खबरें बताती हैं कि वहां ऐसे तत्त्व भी हैं, जो आस्ट्रेलिया की सामाजिक विकास नीतियों में मौजूद कमियों के सूचक हैं।

भारतीय और एशियाई पहचान के

लोगों को लक्ष्य बना कर मेलबर्न में इस तरह नस्लीय दुराग्रहों का प्रदर्शन कोई अकेली घटना नहीं है। पिछले कुछ वर्षों से आस्ट्रेलिया में ही इसी प्रकृति की कई घटनाएं सामने आईं। इसके अलावा, कनाडा, ब्रिटेन, अमेरिका, न्यूजीलैंड और अन्य कुछ देशों में भी भारतीय पहचान के लोगों पर नस्ली हमले हुए, घृणा से भरी टिप्पणियां की गईं और प्रत्यक्ष रूप से अपमानित करने की कोशिश की गई। ऐसे अनेक वाकये हैं, जिनमें किसी व्यक्ति ने बिना किसी कारण के सिर्फ भारतीय पहचान के आधार पर जानलेवा हमला किया।

सवाल है कि ऐसी आक्रामकता का स्रोत क्या है? आखिर क्या वजह है कि हाल के वर्षों में अलग-अलग देशों में भारतीयों के प्रति इस तरह के हमलों में इजाफा हुआ है? जिस दौर में भारत अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अहम मुद्दों के मामले में अपना मजबूत दखल देता दिख रहा है, उसमें भारतीय लोगों और उनकी आस्था को चोट पहुंचाने की घटनाओं पर बात सिर्फ चिंता जाहिर करने तक क्यों सिमट कर रह जाती है? क्या इसे कूटनीतिक मोर्चे पर एक नाकामी के तौर पर देखा जाएगा कि संबंधित देशों की सरकारें अपने यहां भारतीयों के प्रति नस्लवादी नफरत फैलाने वाले तत्त्वों के खिलाफ सख्त कार्रवाई नहीं करतीं और इसीलिए ऐसी घटनाएं होती रहती हैं?

यह समझना मुश्किल है कि जिन देशों को वैश्विक स्तर पर विकसित देशों की श्रेणी में माना जाता है, वहां इस तरह की स्थिति क्यों बनी हुई है, जिसमें कुछ लोग नस्लवादी पूर्वाग्रहों से भरे हुए हैं और किसी अन्य पहचान वाले लोगों या समुदायों को कमतर मान कर उनके साथ अमानवीय तरीके से पेश आते हैं। सवाल है कि प्रतिगामी धारणाओं या मनोग्रंथियों से भरा हुआ कोई व्यक्ति या समाज सभ्य और आधुनिक होने की कसौटी पर खुद को किसी से श्रेष्ठ कैसे मान सकता है।

दरअसल, नस्लवादी दुराग्रहों से भरे हुए कुछ लोग इस पहलू पर विचार करने की भी कोशिश नहीं करते और उनकी हरकतों से उपजे सवालों का जवाब दूसरे लोगों को देना पड़ता है। नस्लीय कुंठाओं में डूबे रहने के नतीजे में किसी व्यक्ति या समूह के भीतर जिस तरह की आक्रामकता और हिंसा का विस्तार होता है, उसका खमियाजा एक साथ कई पक्षों को भुगतना पड़ता है।

चलती अमरनाथ एक्सप्रेस में गूंजी किलकारी

जरा हट के

अमरनाथ एक्सप्रेस की एक आम सी जनरल बोगी इंसानियत की एक असाधारण मिसाल बन गई. चलती ट्रेन में, जहाँ न डॉक्टर था, न नर्स और न ही कोई मेडिकल सुविधा, वहीं एक नया जीवन दुनिया में आया. जालंधर से किशनगंज लौट रही गर्भवती इशरत परवीन को मुजफ्फरपुर पार करते ही अचानक तेज प्रसव पीड़ा शुरू हो गई. साथ चल रहे उनके जीजा कैशर आलम और अन्य रिश्तेदारों के चेहरे पर घबराहट साफ दिख रही थी. ट्रेन रुक नहीं सकती थी, और उम्मीद टूटने ही वाली थी कि कुछ अनजान यात्री देवदूत बनकर सामने आए.

महिला यात्रियों ने तुरंत मोर्चा संभाला. फुर्ती दिखाते हुए उन्होंने अपने दुपट्टों और चादरों से सीटों के बीच पर्दा बनाया, जगह खाली करवाई और बिना समय गंवाए एक अस्थायी 'प्रसव कक्ष' तैयार कर दिया. शोरगुल से भरे उस कोच में उस

समय एक असामान्य शांति छा गई थी. लोग मोबाइल की रिंगटोन की बजाय एक नन्ही जान की पहली चीख सुनने का बेसब्री से इंतजार कर रहे थे.

इशरत की पीड़ा के बीच, उन अनुभवी महिलाओं ने मानो अपने साहस और समझ से डॉक्टर की कमी पूरी कर दी. एक महिला ने इशरत का हाथ थामे रखा, दूसरी ने बच्चे के लिए कपड़े जुटाए, और तीसरी ने पूरी स्थिति को नियंत्रित किया. ट्रेन के हिचकोलों के बीच आखिरकार एक नन्हे बेटे की किलकारी ने पूरे कोच को भावुक कर दिया. कोई ताली बजा रहा था, तो कोई चुपचाप आंखें पोंछ रहा था. यह सिर्फ एक प्रसव नहीं था; यह एक सामूहिक संघर्ष की जीत थी, जहां सहयात्री अब अनजान नहीं, बल्कि एक-दूसरे के परिवार बन चुके थे.

जैसे ही ट्रेन समस्तीपुर जंक्शन पर पहुंची, पहले से सूचना पाकर मेडिकल टीम तैयार खड़ी थी. नवजात शिशु मात्र सात महीने का था, उसका वजन लगभग डेढ़ किलो था और उसकी स्थिति नाजुक थी. उसे फौरन समस्तीपुर सदर अस्पताल के एसएनसीयू में भर्ती कराया गया.

मटर कचौड़ी

खाना-खजाना

सामग्री :

- 1 कप मैदा
- ¼ कप सूजी (रवा)
- 2 बड़े चम्मच घी
- नमक स्वादानुसार
- तेल (तलने के लिए)
- 1 कप हरे मटर (ताजे या फ्रोजन)
- 1 छोटी प्याज (बारीक कटी हुई)
- 1 हरी मिर्च (बारीक कटी हुई)
- ½ इंच अदरक (बारीक कटा हुआ)
- ½ छोटा चम्मच जीरा
- ½ छोटा चम्मच अजवाइन
- ½ छोटा चम्मच गरम मसाला
- ½ छोटा चम्मच अमचूर पाउडर
- ¼ छोटा चम्मच हल्दी पाउडर
- 1 बड़ा चम्मच धनिया पत्ती (कटी हुई)
- नमक स्वादानुसार
- 1 बड़ा चम्मच तेल

विधि :

एक कटोरी में मैदा, सूजी और नमक डालकर मिलाएं। अब इसमें घी डालकर अच्छी तरह मिक्स करें। घी से आटा क्रंची बनेगा। फिर धीरे-धीरे पानी डालकर मुलायम आटा गूंथ लें। आटा ज्यादा कड़ा नहीं होना चाहिए। अब आटे को 15-20 मिनट के लिए ढककर रख दें। एक कढ़ाई में तेल गर्म करें और उसमें जीरा व अजवाइन डालकर भूनें। अब प्याज, हरी मिर्च और अदरक डालकर हल्का सा भूनें। हरे मटर डालकर 2-3 मिनट तक पकाएं। फिर नमक, हल्दी, गरम मसाला और अमचूर पाउडर डालकर मिलाएं। अब इस मिक्सचर को कुछ देर ठंडा होने दें और फिर धनिया पत्ती मिलाएं। इसके बाद आटे को फिर से थोड़ा गूंथ लें और छोटी-छोटी लोइयां बना लें। हर लोई को बेलकर छोटी रोटी जैसा गोल आकार दें। लोई के बीच में मटर की फिलिंग रखकर आधा मोड़ दें और किनारों को अच्छी तरह दबा दें। इसी तरह सभी कचौड़ियां तैयार कर लें। अब कढ़ाई में तेल गर्म करें और मध्यम आंच पर कचौड़ियों को डीप फ्राई करें। कचौड़ियों को दोनों तरफ से सुनहरी होने तक तलें। अब तेल से निकालकर किचन टिश्यू पर रख दें। गर्मागर्म मटर कचौड़ी को हरी चटनी या टमाटर की चटनी के साथ परोसें।

पुरानी से पुरानी कब्ज का घरेलू इलाज हैं 4 फूड्स

न्यूट्रिशनिस्ट बता रही हैं कैसे करना है इस्तेमाल

कब्ज एक ऐसी समस्या है जो अक्सर लोगों को परेशान करती है और अगर यह पुरानी हो जाए तो और भी मुश्किल हो सकती है। जी हां, पेट साफ न होने से न सिर्फ शारीरिक परेशानी होती है बल्कि यह हमारे मूड और एनर्जी लेवल पर भी असर डालता है। अच्छी खबर यह है कि हमारी रसोई में ही ऐसे कई नेचुरल और पावरफुल फूड्स मौजूद हैं जो पुरानी से पुरानी कब्ज से लड़ने में मदद कर सकते हैं। आज हम आपको 4 ऐसे ही 'सुपरफूड्स' के बारे में बताएंगे, जिनका सही तरीके से इस्तेमाल करके आप कब्ज की समस्या से हमेशा के लिए निजात पा सकते हैं। खास बात है कि यह जानकारी किसी और ने नहीं बल्कि एक न्यूट्रिशनिस्ट रिता जैन ने शेयर की है।

■ चिया सीड्स

चिया सीड्स छोटे-छोटे दिखने वाले बीज हैं, लेकिन ये फाइबर से भरपूर होते हैं, खासकर घुलनशील फाइबर। बता दें, यह पानी को सोखकर जेल जैसा टेक्सचर बनाते हैं, जिससे मल नरम होता है और आसानी से आगे बढ़ता है।

कैसे करें इस्तेमाल? – 1-2 चम्मच चिया सीड्स को एक गिलास पानी में 15-20 मिनट के लिए भिगो दें (आप इन्हें रात भर भी भिगो सकते हैं)। जब ये जेल जैसे हो जाएं, तो इन्हें पी लें।

कब करें इस्तेमाल? – सुबह खाली पेट या नाश्ते के साथ लेना सबसे फायदेमंद होता है। आप इन्हें अपनी स्मूदी, दही या दलिया में भी मिला सकते हैं।

कितनी मात्रा लें? – शुरुआत में 1 चम्मच से करें और धीरे-धीरे 2 चम्मच तक बढ़ा सकते हैं। पर्याप्त पानी पीना न भूलें, क्योंकि फाइबर को काम करने के लिए पानी की जरूरत होती है।

■ प्रून्स

सूखे आलूबुखारे को प्रून्स कहते हैं, और ये कब्ज के लिए एक आजमाया हुआ घरेलू उपाय हैं। प्रून्स में फाइबर के साथ-साथ

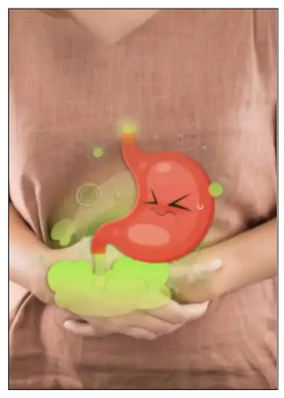

सोर्बिटोल नामक एक नेचुरल शुगर अल्कोहल होता है, जो Mild Laxative के रूप में काम करता है और आंतों में पानी खींचता है, जिससे मल त्याग आसान होता है।

कैसे करें इस्तेमाल? – 4-5 सूखे प्रून्स को रात भर पानी में भिगो दें। सुबह इन्हें खा लें और जिस पानी में भिगोया था, उसे भी पी लें।

कब करें इस्तेमाल? – सुबह खाली पेट सबसे अच्छा रहता है। आप इन्हें सीधा भी खा सकते हैं, लेकिन भिगोने से उनकी प्रभावशीलता बढ़ जाती है।

कितनी मात्रा लें? – शुरुआत में 3-4 प्रून्स से करें और जरूरत पड़ने पर बढ़ा सकते हैं। बच्चों के लिए प्रून जूस भी एक अच्छा विकल्प है।

■ ड्रैगन फ्रूट

यह विदेशी और रंगीन फल न केवल देखने में सुंदर होता है बल्कि कब्ज के लिए भी बहुत प्रभावी है। ड्रैगन फ्रूट में पानी की मात्रा ज्यादा होती है और यह आहार फाइबर का एक अच्छा सोर्स है। यह पेट को हाइड्रेटेड रखने और मल को नरम बनाने में मदद करता है।

कैसे करें इस्तेमाल?– एक मध्यम आकार के ड्रैगन फ्रूट को छीलकर टुकड़ों में काट लें और सीधे खाएं। आप इसे अपनी फ्रूट सलाद या स्मूदी में भी शामिल कर सकते हैं।

कब करें इस्तेमाल? – इसे दिन के किसी भी समय खाया जा सकता है, लेकिन सुबह नाश्ते में या दोपहर के भोजन से पहले लेना पाचन के लिए फायदेमंद हो सकता है।

कितनी मात्रा लें? – नियमित रूप से एक पूरा फल खाना कब्ज में काफी राहत दे सकता है।

■ अलसी के बीज

अलसी के बीज, ओमेगा-3 फैटी एसिड और दोनों प्रकार के फाइबर (घुलनशील और अघुलनशील) से भरपूर होते हैं। अघुलनशील फाइबर मल में मात्रा जोड़ता है और आंतों की गति को उत्तेजित करता है, जबकि घुलनशील फाइबर इसे नरम करता है।

कैसे करें इस्तेमाल? – 1-2 चम्मच अलसी के बीजों को हल्का भूनकर पीस लें। इस पाउडर को अपनी दही, दलिया, सलाद या गुनगुने पानी में मिलाकर सेवन करें। साबुत बीज सीधे पच नहीं पाते, इसलिए उन्हें पीसना जरूरी है।

कब करें इस्तेमाल? – सुबह या शाम किसी भी समय ले सकते हैं।

कितनी मात्रा लें? – शुरुआत में 1 चम्मच से करें और धीरे-धीरे 2 चम्मच तक बढ़ा सकते हैं। इन्हें लेने के बाद पर्याप्त पानी पीना न भूलें।

आज का राशिफल

मेष : दूर यात्रा की योजना बन सकती है। मनपसंद भोजन का आनंद प्राप्त होगा। वरिष्ठजनों का मार्गदर्शन प्राप्त होगा। जीवनसाथी के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी। स्वास्थ्य कमजोर रहेगा। बेचैनी रहेगी। धनार्जन सुगम होगा। विद्यार्थी वर्ग सफलता अर्जित करेगा। पठन में मन लगेगा।

वृषभ : जोखिम व जमानत के कार्य टालें। प्रतिद्वंद्विता बढ़ेगी। पारिवारिक चिंता में वृद्धि होगी। वाणी पर नियंत्रण रखें। किसी के व्यवहार से क्लेश हो सकता है। पुराना रोग उभर सकता है। दु:खद समाचार मिल सकता है, धैर्य रखें। आवश्यक वस्तु समय पर नहीं मिलेगी। तनाव रहेगा।

मिथुन : प्रयास सफल रहेंगे। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। आय के स्रोतों में वृद्धि हो सकती है। व्यवसाय ठीक चलेगा। चोट व रोग से बाधा संभव है। फालतू खर्च होगा। मातहतों का सहयोग प्राप्त होगा। प्रसन्नता रहेगी। जल्दबाजी न करें। शत्रु नतमस्तक होंगे। विवाद को बढ़ावा न दें।

कर्क : भाइयों का सहयोग प्राप्त होगा। परिवार के साथ मनोरंजन का कार्यक्रम बन सकता है। व्यवसाय ठीक चलेगा। प्रमाद न करें। लेन-देन में सावधानी रखें। शारीरिक कष्ट संभव है। परिवार में तनाव रह सकता है। शुभ समाचार मिलेंगे। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। साहस कर पाएंगे।

सिंह : घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी। प्रमाद न करें। सट्टे व लॉटरी से दूर रहें। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। कोई बड़ी समस्या से छुटकारा मिल सकता है। आय में वृद्धि होगी। प्रसन्नता में वृद्धि होगी। किसी की सेहत को लेकर पारिवारिक चिंता बनेगी। रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे।

कन्या : घर-बाहर असहयोग मिलेगा। अपेक्षाकृत कार्यों में विलंब होगा। आय में कमी हो सकती है। अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे। कर्ज लेना पड़ सकता है। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। किसी विवाद में उलझ सकते हैं। चिंता तथा तनाव रहेंगे। जोखिम न उठाएं।

तुला : कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। आय के नए स्रोत प्राप्त हो सकते हैं। व्यापार-व्यवसाय में लाभ होगा। प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। बेचैनी रहेगी। थकान महसूस होगी। वरिष्ठजन सहयोग करेंगे।

वृश्चिक : पार्टनरों का सहयोग मिलेगा। कारोबारी अनुबंधों में वृद्धि हो सकती है। समय का लाभ लें। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। नई आर्थिक नीति बनेगी। कार्यप्रणाली में सुधार होगा। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। नेत्र पीड़ा हो सकती है। कानूनी बाधा आ सकती है। विवाद न करें।

धनु : लाभ के अवसर हाथ आएंगे। व्यवसाय ठीक चलेगा। सुख के साधनों पर व्यय हो सकता है। पारिवारिक सहयोग मिलेगा। प्रमाद न करें। बेचैनी रहेगी। चोट व रोग से बचें। काम का विरोध होगा। तनाव रहेगा। कोर्ट के काम अनुकूल होंगे। पूजा-पाठ में मन लगेगा। तीर्थयात्रा की योजना बनेगी।

मकर : राज्य के प्रतिनिधि सहयोग करेंगे। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। विवाद से क्लेश संभव है। वाहन व मशीनरी के प्रयोग में लापरवाही न करें। अपेक्षित कार्यों में अप्रत्याशित बाधा आ सकती है। तनाव रहेगा। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। जोखिम व जमानत के कार्य टालें।

कुंभ : कोर्ट व कचहरी के काम मनोनुकूल रहेंगे। जीवनसाथी से सहयोग मिलेगा। प्रसन्नता रहेगी। मातहतों से संबंध सुधरेंगे। व्यवसाय ठीक चलेगा। धन प्राप्ति सुगम होगी। कष्ट, भय, चिंता व बेचैनी का वातावरण बन सकता है। ऐश्वर्य के साधनों पर बड़ा खर्च हो सकता है। जल्दबाजी न करें।

मीन : भूमि-भवन, खरीदने की योजना बनेगी। अचानक व्यवसाय या रोजगार में अधिक वृद्धि होगी। उन्नति के मार्ग भी प्रशस्त होंगे। कार्यस्थल पर अतिविश्वास करने से बचें। माता का स्वास्थ्य कमजोर रहेगा। नौकरी हेतु अतिशुभ समय बनने से पदोन्नति मिलेगी तथा वेतनमान में वृद्धि होगी।

-ज्योतिषाचार्य पंडित अतुल शास्त्री

पेट और पीठ दर्द ने कर रखा है परेशान?

राहत पाने के लिए करें अर्ध हलासन

योग भारतीय संस्कृति का अनमोल उपहार है, जो शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाने में मदद करता है. भारत सरकार के आयुष मंत्रालय के अनुसार, अर्ध हलासन एक ऐसा सरल योगासन है, जो पेट, पीठ और पैरों की समस्याओं को दूर करने के साथ-साथ तनाव को कम करने में भी प्रभावी है. यह आसन कोर मांसपेशियों को मजबूत करता है, पाचन तंत्र को बेहतर बनाता है, और मन को भी शांति देता है. आइए जानते हैं अर्ध हलासन करने का आसान तरीका–

■ अर्ध हलासन से सेहत को क्या फायदे होंगे?

आयुष मंत्रालय के अनुसार, इसका नियमित अभ्यास कब्ज, अपच और पेट दर्द जैसी समस्याओं को दूर करता है. यह रीढ़ को लचीला बनाता है, पैरों की मांसपेशियों को मजबूत करता है और तनाव को कम करने में मदद करता है. यह आसन पेट की मांसपेशियों को सक्रिय करता है, जिससे कब्ज और अपच की समस्या से राहत मिलती है. यह रीढ़ को लचीला बनाता है और पीठ दर्द को कम करता है. यह आसन मन को भी शांत करने में सहायक है, जिससे तनाव व चिंता कम होती है. यह पैरों की मांसपेशियों को मजबूत करता है और रक्त संचार को बेहतर बनाता है.

■ ऐसे करें अर्ध हलासन का अभ्यास?

आयुष मंत्रालय अर्ध हलासन करने का सही तरीका भी बताता है. अभ्यास के लिए योग मैट पर पीठ के बल लेट जाएं. दोनों पैरों को मिलाकर सीधा रखें और हथेलियों को शरीर के पास रखें. सांस लेते हुए धीरे-धीरे दोनों पैरों को 90 डिग्री तक ऊपर उठाएं. इस दौरान बिना घुटनों को मोड़े पैरों को सीधा रखें और 10-15 सेकंड तक इस स्थिति में रहें. इसके बाद सांस छोड़ते हुए धीरे-धीरे पैरों को नीचे लाएं. इस प्रक्रिया को 3-5 बार दोहराएं.

■ ये लोग बरतें सावधानी

अर्ध हलासन के अभ्यास से कई लाभ मिलते हैं. हालांकि, हेल्थ एक्सपर्ट कुछ सावधानी बरतने की भी सलाह देते हैं. हाई ब्लड प्रेशर के मरीजों को इसे विशेषज्ञ की सलाह पर ही करना चाहिए. गर्भवती महिलाएं, हर्निया या गंभीर रीढ़ की समस्या से ग्रसित लोगों को भी विशेष ध्यान रखना चाहिए.

गुड़हल का फूल

चेहरे की झुर्रियां हटाए, बालों का झड़ना भी रोके

गुड़हल का फूल जितना देखने में सुंदर लगता है, उतना ही हमारे स्वास्थ्य के लिए भी फायदेमंद है. गुड़हल का पौधा आयुर्वेद में विशेष स्थान रखता है. यह पौधा लगभग हर जगह आसानी से मिल जाता है. इसकी पत्तियां और फूल हमारे शरीर में लगने वाली कई गंभीर बीमारियों में लाभकारी हैं. आयुर्वेद में गुड़हल का यूज कई रोगों के उपचार में किया जाता है. इसके नियमित सेवन से कई स्वास्थ्य समस्याओं से छुटकारा पाया जा सकता है. गुड़हल के हर हिस्से में औषधीय गुणों का खजाना मौजूद है. इसके पत्ते, फूल और जड़ सभी औषधीय लिहाज में उपयोगी हैं.

इन तरीकों से करें यूज

गुड़हल हमें डायबिटीज, त्वचा की एलर्जी, बालों की समस्या और मासिक धर्म संबंधित कई परेशानियों में राहत दिलाता है. जिला अस्पताल बाराबंकी के चिकित्सक डॉ. अमित वर्मा (एमडी मेडिसिन) लोकल 18 से कहते हैं कि गुड़हल के पौधे में कई औषधीय गुण होते हैं. जिस किसी को बाल में रूसी का समस्या है, वो गुड़हल के पत्तियों का रस निकालकर लगा ले. रूसी की समस्या खत्म हो जाएगी. जिनके बाल झड़ रहे हैं या गंजापन होने लगा है, वे गुड़हल के फूलों को तिल के तेल में पकाकर रात में प्रतिदिन बालों की जड़ों में लगाएं.

डॉ. अमित बताते हैं कि जिस किसी को त्वचा संबंधित समस्या है, त्वचा पर रेशेज पड़ जाते हैं, ऐसे लोग इसके दो से तीन फूलों को सुबह शाम सेवन करें. इससे त्वचा संबंधित बीमारी ठीक हो जाती है. जिन महिलाओं को मासिक धर्म में समस्या रहती है, वे इसकी पत्तियों का दो चम्मच रस निकालकर आधे गिलास पानी के साथ सुबह शाम लें. जिनको डायबिटीज की शिकायत है, उन्हें इसकी पत्तियों के रस का इस्तेमाल करना चाहिए. इससे काफी फायदा होता है.

उपरोक्त लेखों में दी गई समस्त जानकारियां और सूचनाएं सामान्य मान्यताओं पर आधारित हैं. 'उल्हास विकास' इनकी पुष्टि नहीं करता है. इन पर अमल करने से पहले संबंधित विशेषज्ञ से संपर्क करें.

खबरें गांव की...

ट्यूशन पढ़ाने के लिए लड़की को पेट्रोल पंप पर बुलाता था टीचर, एक साल बाद खुली हकीकत

हाथरस. यूपी के हाथरस के कोतवाली क्षेत्र में एक हैरान कर देने वाली घटना सामने आई है। यहां एक ट्यूशन टीचर ने नाबालिग लड़की के परिवार के भरोसे का कत्ल कर दिया। टीचर, ट्यूशन पढ़ाने के लिए लड़की को पेट्रोल पंप पर बुलाता था। वहां उसने लड़की के अश्लील वीडियो बना लिए जिन्हें वायरल करने की धमकी देकर वह करीब एक साल तक उसका शारीरिक शोषण करता रहा। पीड़ित पिता की तहरीर के आधार पर पुलिस ने ट्यूटर के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। कोतवाली में रिपोर्ट दर्ज कराते हुए पीड़िता के पिता ने कहा है कि उसकी 16 वर्षीय बेटी करीब दो साल से भीम सिंह निवासी नगला सरदार से ट्यूशन पढ़ रही थी। बेटी को ट्यूशन पढ़ाने के लिये वह पेट्रोल पम्प पर बुलाता था। बेटी पर दबाव बनाकर करीब एक वर्ष से उसके साथ दुष्कर्म करता था।

विधवा महिला से 3 लड़कों ने किया गैंगरेप

महाराजगंज. यूपी के महाराजगंज के सदर कोतवाली क्षेत्र के एक गांव में विधवा महिला के साथ सामूहिक दुष्कर्म का मामला सामने आया है। महिला की शिकायत पर कोतवाली पुलिस ने तीन आरोपितों के खिलाफ केस दर्ज कर उन्हें गिरफ्तार कर लिया। आरोपितों में एक नाबालिग है। उसे जुवेनाइल कोर्ट भेजा गया। घटना शुक्रवार की रात आठ बजे की बताई जा रही है। गांव के बाहर सिवान में महिला अपने किसी परिचित से मिलने गई थी। उसी दौरान पड़ोसी गांव के आरोपित भी पहुंच गए। वह वर्ग विशेष समुदाय के ताल्लुकात रखने वाले हैं। महिला को आपत्तिजनक हालत में देख तीनों आरोपितों ने उसे पकड़ लिया। महिला आरोपितों के सामने गिड़गिड़ाती रही। पर, आरोपित नहीं पसीजे। आरोप है कि महिला के साथ सामूहिक दुष्कर्म किया। पीड़ित महिला घटना की सूचना कोतवाली पुलिस को दी। थोड़ी देर बाद कोतवाली के प्रभारी निरीक्षक सत्येन्द्र कुमार राय महिला पुलिस और अपने हमराहियों के साथ मौके पर पहुंचे। तीनों आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया।

पत्नी की हत्या कर पति भी फांसी पर लटक गया

लखनऊ. राजधानी लखनऊ में माल में पत्नी की ईंट से कूचकर हत्या करने के आरोपित पति रवि रावत (28) ने भी फांसी लगा ली। उसका शव सोमवार सुबह गांव के बाहर बाग में फंदे से लटकता मिला। माल पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। उधर, घटना के बाद से ही दोनों मासूम बेटियों का रो-रोकर बुरा हाल है। बेटियों से मां बाप का साया उठ गया। माल के बाजार गांव में रविवार सुबह कहासुनी पर मजदूर रवि ने अपनी पत्नी सीमा की ईंट से कूचकर हत्या कर दी थी। वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपी पति तेज आवाज में घर में गाना बजाकर भाग गया था। माल पुलिस हत्या के आरोपित रवि की तलाश कर रही थी। इस बीच सोमवार सुबह गांव के बाहर बाग में रवि का शव फंदे से लटकता मिला।

ऑपरेशन सिंदूर क्यों रोका ?

- राजनाथ सिंह ने लोकसभा में बताई असली वजह

नई दिल्ली. पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद भारतीय सैन्य बलों द्वारा ऑपरेशन सिंदूर पर लोकसभा में महाबहस की शुरुआत करते हुए रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने दो टूक कहा कि ऑपरेशन सिंदूर सेना की तीनों सेवाओं का बेमिसाल उदाहरण है, जिसके तहत पाकिस्तान की हर हरकत का करारा जवाब दिया गया। उन्होंने दो टूक कहा कि ऑपरेशन सिंदूर किसी दबाव में नहीं बल्कि लक्ष्य हासिल होने के बाद रोका गया। उन्होंने फिर दोहराया कि ऑपरेशन सिंदूर अभी समाप्त नहीं हुआ है ।

रक्षा मंत्री ने कहा, ₹हमारा ये ऑपरेशन पूरी तरह सफल रहा है और सेनाओं ने अपना लक्ष्य हासिल कर लिया।₹ उन्होंने कहा कि हमने किसी दबाव में आकर इसे नहीं रोका बल्कि हमने दुश्मन के हर मंसूबे पर पानी फेरा। उन्होंने कहा कि हमारा मकसद युद्ध छेड़ना नहीं था बल्कि आतंकियों के ढांचों को नेस्तनाबूद करना था और मात्र 22 मिनट के ऑपरेशन में उसे हासिल कर लिया गया। रक्षा मंत्री ने कहा कि यह कहना गलत है कि किसी दबाव में ऑपरेशन सिंदूर को रोका गया था। उन्होंने कहा, ऑपरेशन सिंदूर के दौरान सशस्त्र बल अपने सभी उद्देश्यों को पूरा करने में सफल रहे और पाकिस्तान की गुहार लगाने और DGMO स्तर पर बातचीत के बाद ही इसे रोका गया।

'ऑपरेशन सिंदूर' में 100 से अधिक आतंकवादी मारे

राजनाथ सिंह ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर को अंजाम देने से पहले हर पहलू पर बहुत गहराई के साथ अध्ययन किया गया था, यह विकल्प चुना गया था कि आतंकवादियों और उनके ठिकानों को नुकसान पहुंचे और पाकिस्तान के आम नागरिकों को कोई क्षति नहीं हो। रक्षा मंत्री ने बताया कि 'ऑपरेशन सिंदूर' में 100 से अधिक आतंकवादी मारे गए। रक्षा मंत्री ने लोकसभा में कहा कि 'ऑपरेशन सिंदूर' केवल सैन्य कार्रवाई नहीं थी, बल्कि आतंकवाद के खिलाफ हमारी नीति का निर्णायक प्रकटीकरण था।

परीक्षा में पेन और पेंसिल के टूटने की चिंता नहीं करनी चाहिए

सिंह ने विपक्ष पर तंज कसते हुए कहा कि परीक्षा में पेन और पेंसिल के टूटने की चिंता नहीं करनी चाहिए बल्कि परीक्षाफल पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। रक्षा मंत्री ने कहा, "जब लक्ष्य बड़े हों, तो छोटे मुद्दों पर ध्यान नहीं जाना चाहिए। इससे देश की सुरक्षा, सैनिकों के सम्मान और उत्साह से ध्यान हट सकता है।" उन्होंने कहा कि परीक्षा के परिणाम में रिजल्ट मैटर करता है। हमें बच्चे के मार्क्स का ध्यान रखना चाहिए, इस बात का नहीं कि एग्जाम के दौरान उसकी पेंसिल टूट गई थी। रिजल्ट यह है कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान हमारी सेनाओं ने जो लक्ष्य निर्धारित किया था, उसे पूर्ण रूप से प्राप्त करने में कामयाबी हासिल की है।

विपक्ष ने नहीं पूछा कि दुश्मन के कितने विमान गिरे?

उन्होंने कहा, ₹पाकिस्तान हमारे किसी भी 'टारगेट' को भेद नहीं सका और किसी संपत्ति को नुकसान नहीं पहुंचा पाया।₹ उन्होंने विपक्ष पर चुटकी लेते हुए कहा कि विपक्ष ने नहीं पूछा कि दुश्मन के कितने विमान गिरे? राजनाथ सिंह ने कहा कि विपक्ष के लोग यह पूछते रहे हैं कि हमारे कितने विमान गिरे? यह प्रश्न जनभावनाओं का सही से प्रतिनिधित्व नहीं करता? उन्होंने हमसे कभी यह नहीं पूछा कि हमारी सेनाओं ने दुश्मन के कितने विमान मार गिराए? उनको प्रश्न ही पूछना है तो यह प्रश्न पूछें कि क्या ऑपरेशन सिंदूर सफल रहा, उत्तर है हां।

डिंपल यादव के सम्मान में, NDA सांसद मैदान में

नई दिल्ली. डिंपल यादव के सम्मान में, NDA सांसद मैदान में। सुनने में यह अजीब लग सकता है, लेकिन संसद परिसर में आज ऐसा ही हुआ। मौलाना साजिद रशीदी ने डिंपल यादव के मस्जिद में खुले सिर जाने को लेकर विवादित टिप्पणी की थी। अब इसी को लेकर एनडीए सांसदों ने विरोध जताया है और संसद परिसर में प्रदर्शन करते हुए उतरे। इन सांसदों का कहना था कि आखिर अखिलेश यादव और समाजवादी पार्टी के लोग मौलाना के बयान पर चुप क्यों हैं। मौलाना साजिद रशीदी ने संसद भवन परिसर के पास स्थित मस्जिद में सपा की मीटिंग को लेकर सवाल किया था। टीवी डिबेट के दौरान बोलते हुए उन्होंने डिंपल यादव की वहां मौजूदगी पर भी सवाल उठाया था और कहा था कि क्या आपने उन्हें देखा था। इसके आगे उन्होंने विवादित बयान दिया। अब तक इस मामले में सपा के किसी बड़े नेता का बयान नहीं आया। इसी को आधार बनाते हुए एनडीए के सांसदों ने विरोध प्रदर्शन किया। इस दौरान अनुराग ठाकुर समेत कई सीनियर नेता मौजूद थे।

चिदंबरम बोले- कैसे पता चला कि पहलगाम आतंकी पाकिस्तान से आए

- NIA के पास इसका क्या सबूत
- हमलावर देश के भी तो हो सकते हैं

नई दिल्ली. कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पी चिदंबरम का पहलगाम हमले पर 2 दिन पहले दिए बयान पर विवाद हो रहा है। उन्होंने कहा था कि कैसे पता कि आतंकी पाकिस्तान से आए थे। कांग्रेस के पूर्व वित्त मंत्री का यह बयान संसद में पहलगाम आतंकी हमला और ऑपरेशन सिंदूर पर सदन में चर्चा के कुछ घंटे पहले आया।

चिदंबरम ने एक इंटरव्यू में कहा, 'वे (NIA) यह बताने को तैयार नहीं हैं कि इन हफ्तों में उन्होंने क्या किया? क्या NIA ने आतंकवादियों की पहचान की है या यह पता लगाया है कि वे कहां से आए थे? क्या पता, वे देश के ही आतंकवादी हों। आप यह क्यों मान रहे हैं कि वे पाकिस्तान से आए थे। इसका कोई सबूत नहीं है।'

इधर, भाजपा नेता अमित मालवीय ने कहा- कांग्रेस ने पाकिस्तान को क्लीन चिट देने की जल्दी की है। जब भी हमारी सेना पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद का सामना करती है। कांग्रेस के नेता इस्लामाबाद के वकील ज्यादा लगते हैं। राष्ट्रीय सुरक्षा के मामले में कांग्रेस हमेशा दुश्मन को बचाने में जुट जाती है।

चिदंबरम के बयान पर भाजपा नेताओं के रिएक्शन

भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने कहा- कांग्रेस अब गद्दार संगठन बन चुकी है। आज जो कांग्रेस अपनी आजादी की लड़ाई में भागीदारी पर गर्व करती है, उसकी क्या हैसियत रह गई है। राहुल गांधी चीन की कम्युनिस्ट पार्टी के साथ एमओयू पर हस्ताक्षर करते हैं। इनके ऊपर भारी भ्रष्टाचार के आरोप हैं। इन्होंने देश को बेचने की ठान ली थी, लेकिन बीच में प्रधानमंत्री मोदी आ गए। अब ये मजबूत नेतृत्व पचा नहीं पा रहे हैं। भाजपा सांसद संजय जायसवाल- उन्हें यह सवाल राज्यसभा में पूछना चाहिए। जब चर्चा सदन में होनी है, तो वह इसे बाहर क्यों उठा रहे हैं। भारत सरकार आज लोकसभा में उनके हर सवाल का जवाब देगी।

1 अगस्त से लागू होंगे UPI के नए नियम

एक दिन में 50 से ज्यादा बार बैलेंस चेक नहीं कर पाएंगे

- ऑटो-पे का समय बदलेगा

नई दिल्ली. अगर आप यूनिफाइड पेमेंट इंटरफेस यानी UPI एप से बार-बार बैलेंस चेक करते हैं तो 1 अगस्त से ऐसा करने में आपको परेशानी हो सकती है। 1 अगस्त से आप एक दिन में 50 से ज्यादा बार UPI एप के जरिए बैलेंस चेक नहीं कर सकेंगे। ये बदलाव यूजर्स, बैंकों और मर्चेंट्स, सभी के लिए हैं।

UPI में कौन-कौन से नए नियम लागू हो रहे हैं?

बैलेंस चेक करने की लिमिट: अब आप एक दिन में किसी एक UPI एप से 50 से ज्यादा बार अपना बैंक बैलेंस चेक कर पाएंगे।

ऑटो-पे ट्रांजैक्शंस का समय: ऑटो-पे (जैसे EMI, सब्सक्रिप्शन या बिल पेमेंट) अब दिन में किसी भी समय नहीं, बल्कि तय समय स्लॉट्स में होंगे।

ट्रांजैक्शन स्टेटस चेक की लिमिट: अगर कोई पेमेंट अटक जाता है तो आप उसका स्टेटस सिर्फ 3 बार चेक कर सकते हैं, वो भी हर बार 90 सेकेंड के गैप के साथ।

बदलाव क्यों किए जा रहे हैं?

NPCI का कहना है कि UPI सिस्टम पर बहुत ज्यादा लोड पड़ रहा है, खासकर पीक ऑवर्स (सुबह 10 से दोपहर 1 बजे और शाम 5 से रात 9:30 बजे) में। बार-बार बैलेंस चेक करना या ट्रांजैक्शन स्टेटस चेक करने से सिस्टम स्लो हो जाता है।

हाल में अप्रैल और मार्च 2025 में UPI में दो बड़े आउटेज (सिस्टम डाउन होने की घटनाएं) हुए, जिससे करोड़ों यूजर्स को परेशानी हुई। इन बदलावों से सिस्टम को तेज, भरोसेमंद और बिना रुकावट वाला बनाने की कोशिश है।

ऑटो-पे के लिए तय समय स्लॉट्स क्या हैं?

ऑटो-पे ट्रांजैक्शंस (जैसे नेटफ्लिक्स सब्सक्रिप्शन, मोबाइल रिचार्ज, या EMI) अब नॉन-पीक ऑवर्स में प्रोसेस होंगे। ये समय हैं:

- सुबह 10 बजे से पहले
- दोपहर 1 बजे से शाम 5 बजे के बीच
- रात 9:30 बजे के बाद

इससे सिस्टम पर लोड कम होगा और ट्रांजैक्शंस तेजी से पूरी होंगे।

ये नियम सभी UPI यूजर्स पर लागू होंगे, चाहे आप PhonePe, Google Pay, Paytm, या कोई और UPI एप इस्तेमाल करते हों। अगर आप बार-बार बैलेंस चेक नहीं करते या ट्रांजैक्शन स्टेटस रिफ्रेश नहीं करते, तो आपको ज्यादा फर्क नहीं पड़ेगा।

पहलगाम हमले का सेना ने लिया बदला

- एनकाउंटर में ढेर किए अबू हमजा समेत तीन आतंकी

श्रीनगर. जम्मू और कश्मीर में सेना ने एक मुठभेड़ में यासिर और अबू हमजा समेत तीन आतंकियों को मार गिराया है। इन लोगों का 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए खूंखार आतंकी हमले में हाथ था। इस मुठभेड़ में सेना ने लश्कर-ए-तैयबा के खूंखार आतंकी सुलेमान को भी मार गिराया है। यही सुलेमान पहलगाम आतंकी हमले का मास्टरमाइंड भी था। सेना, सीआरपीएफ और पुलिस ने मिलकर आज सुबह ऑपरेशन महादेव की शुरुआत की थी और इसी के तहत श्रीनगर में आज सुबह इन आतंकियों को घेर लिया गया। सुरक्षा बलों ने घेरा तो आतंकी फायरिंग करने लगे और जवाबी ऐक्शन में मारे गए।

इन लोगों को ढेर करके सुरक्षा बलों ने पहलगाम के खूंखार आतंकी हमले का बदला ले लिया है। जवानों ने ऑपरेशन महादेव के तहत इन आतंकियों को मार गिराया। सुरक्षाबलों को श्रीनगर के लिडवास में 3 आतंकवादियों के होने की सूचना मिली थी। इसके बाद ऑपरेशन महादेव के नाम से सेना, जम्मू और कश्मीर पुलिस और CRPF ने मिलकर साझा कार्रवाई शुरू की। इसके बाद लंबी मुठभेड़ में तीन दहशतगर्दों को ढेर कर दिया गया।

भारतीय सेना के चिनार कॉर्प्स की तरफ से जारी बयान के अनुसार, 'तीन आतंकवादियों को भारी गोलीबारी के बीच मार गिराया है। ऑपरेशन जारी है।' मीडिया रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से कहा जा रहा है कि सेना ने दो दिन पहले दाचीगाम के जंगल में संदिग्ध बातचीत ट्रेस की थी। इसके बाद ऑपरेशन शुरू करने का फैसला लिया गया।

पहलगाम स्थित बैसरन घाटी में आतंकवादियों ने वहां मौजूद सैलानियों पर गोलीबारी कर दी थी। उस घटना में 26 लोगों की मौत हो गई थी। खबरें थी कि इस हमले की जिम्मेदारी लश्कर-ए-तैयबा से जुड़े TRF दे रेजिस्टेंस फोर्स ने ली थी। इसके बाद भारतीय सेना ने 7 मई को ऑपरेशन सिंदूर के तहत जवाबी कार्रवाई की और पाकिस्तान के क्षेत्र में घुसकर आतंकवादी ठिकानों को तबाह किया था।

अस्पताल के ICU में ऑक्सीजन सप्लाई रुकी, 3 की मौत

- 2 मिनट तक प्लांट से सप्लाई बाधित रही
- जमकर हंगामा

जालंधर सिविल अस्पताल के ट्रॉमा सेंटर में रविवार रात उस समय हड़कंप मच गया, जब ICU में भर्ती मरीजों की ऑक्सीजन सप्लाई 2 मिनट के लिए बाधित हो गई। इस दौरान तीन मरीजों की मौत हो गई और दो की हालत बिगड़ गई, जिन्हें बाद में उपचार के बाद बचा लिया गया।

घटना के बाद परिजनों ने अस्पताल में जमकर हंगामा किया। जैसे ही मामला सरकार तक पहुंचा तो, रात को करीब सवा एक बजे स्वास्थ्य मंत्री डॉ. बलबीर सिंह अस्पताल पहुंचे और अधिकारियों से मीटिंग की।

सोमवार सुबह भी हालात पर नजर रखने के लिए मंत्री दोबारा अस्पताल पहुंचे। वहीं, डायरेक्टर अनिल अग्रवाल की अगुवाई में उच्चस्तरीय जांच टीम ने मौके पर जांच शुरू कर दी है। दोपहर में पंजाब सरकार के मंत्री मोहिंदर भगत भी अस्पताल पहुंचे और पीड़ित परिवारों से मुलाकात की।

मैं मुसलमान हूं तो मुझे धमकी मिल रही, नंगा शब्द इतना गलत नहीं

- डिंपल यादव पर बोलने वाले मौलाना

नई दिल्ली. संसद के पास मस्जिद में डिंपल यादव के बिना सिर पर पल्लू रखे चले जाने पर मौलाना साजिद रशीदी के बयान पर विवाद हो रहा है। इस मामले में सांसद इकरा हसन का कहना है कि ऐसे मौलाना का बहिष्कार होना चाहिए। इसके अलावा लखनऊ के गोमती नगर में सपा के कार्यकार्ता ने मौलाना के खिलाफ केस दर्ज कराया है। इस बीच मौलाना ने मोर्चा खोल दिया है और अपने बयान पर खेद जताने की बजाय उसे सही ही ठहराया है। उनका कहना है कि मैं मुसलमान हूं, इसलिए मेरे साथ बर्ताव हो रहा है। मुझे मारने की धमकियां दी जा रही हैं। उन्होंने कहा कि मैंने मस्जिद में उनके जाने को लेकर यह बात कही थी, जो गलत नहीं है।

साजिद रशीदी ने कहा, 'इसी लोकतंत्र में हमारा एक संविधान है। वह कहता है कि हर धर्म की अपनी मान्यताएं हैं। उन्हें मानना और उसका प्रचार एवं प्रसार करना मेरे मौलिक अधिकारों में आता है। मेरा संविधान कहता है कि यदि कोई मस्जिद का अनादर कर रहा है तो उसे आप कहिए। मैंने वही तो कहा।' उन्होंने कहा कि नंगा शब्द इतना आपत्तिजनक नहीं है। समाज में भी यह बोल दिया जाता है। समाज में जो लड़कियां शॉर्ट्स पहनकर चलती हैं तो बोल दिया जाता है कि नंगी जा रही है। मैंने इतना बोल दिया कि वह जहां बैठी थीं, वहां उनका शरीर ढका होना चाहिए था। यह मुसलमानों को जलील करने के लिए किया गया। यह दिखाया गया कि जाहिलों तुम्हारा वोट लेकर हम इतनी सीटें जीतते हैं, लेकिन तुम्हारी मस्जिदों में बैठकर हम मीटिंग कर रहे हैं।

मैनचेस्टर टेस्ट में गिल के 5 रिकॉर्ड्स

- 4 शतक लगाकर ब्रैडमैन-गावस्कर की बराबरी
- इंग्लैंड सीरीज में 722 रन बनाने वाले पहले भारतीय भी बने

मैनचेस्टर टेस्ट में रविवार को रिकॉर्ड्स का दिन शुभमन गिल और रवींद्र जडेजा के नाम रहा। गिल इंग्लैंड के खिलाफ एक टेस्ट सीरीज में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले भारतीय बैटर बने। वे डेब्यू टेस्ट सीरीज में 4 शतक लगाने वाले पहले कप्तान भी बने।

बतौर कप्तान किसी टेस्ट सीरीज में सबसे ज्यादा शतक लगाने के मामले में गिल ने सुनील गावस्कर और सर डॉन ब्रैडमैन की बराबरी की। वहीं रवींद्र जडेजा इंग्लैंड में नंबर-6 या उससे नीचे बल्लेबाजी करते हुए दो टेस्ट शतक लगाने वाले पहले भारतीय खिलाड़ी बने।

ओल्ड ट्रैफर्ड में भारत ने हारा हुआ चौथा टेस्ट ड्रॉ करा लिया। टीम ने दूसरी पारी में 143 ओवर बैटिंग की। भारत से शुभमन गिल, रवींद्र जडेजा और वॉशिंगटन सुंदर ने शतक लगाया। पहली पारी में भारत ने 358 और इंग्लैंड ने 669 रन बनाए थे। भारत ने दूसरी पारी में 4 विकेट के नुकसान पर 425 रन बनाए।

शुभमन गिल बतौर कप्तान टेस्ट सीरीज में 700+ रन बनाने वाले नौवें बल्लेबाज बने। उनसे पहले सर डॉन ब्रैडमैन (दो बार), सर गारफील्ड सोबर्स, ग्रेग चैपल, सुनील गावस्कर, डेविड गॉवर, ग्राहम गूच और ग्रीम स्मिथ यह कारनामा कर चुके हैं। उन्होंने इंग्लैंड के खिलाफ बतौर कप्तान 722 रनों के साथ सर गारफील्ड सोबर्स के रिकॉर्ड की बराबरी की।

रवींद्र जडेजा ने इस सीरीज में अब तक 5 बार 50 या उससे ज्यादा रन बनाए हैं। यह इंग्लैंड में किसी टेस्ट सीरीज में नंबर 6 या उससे नीचे बल्लेबाजी करने वाले खिलाड़ी द्वारा संयुक्त रूप से सबसे ज्यादा 50+ स्कोर हैं। उन्होंने यह उपलब्धि सर गैरी सोबर्स के 1966 में बनाए गए रिकॉर्ड की बराबरी करते हुए हासिल की है।

एक लीक फोन कॉल से थाईलैंड-कंबोडिया में जंग छिड़ी

- शिव मंदिरों के लिए दोस्त से दुश्मन बने पड़ोसी
- अब तक 33 की मौत

थाईलैंड और कंबोडिया के बीच सुबह 6 बजे मुठभेड़ शुरू हुई। दस मिनट तक चली गोलीबारी में कंबोडियाई सेना के लेफ्टिनेंट सुओन रौन की मौत हो गई। दोनों देशों ने एक-दूसरे पर पहले हमला करने का आरोप लगाया।

इस घटना के बाद थाईलैंड और कंबोडिया ने सीमा पर और ज्यादा सैनिक तैनात कर दिए। इसे शांत करने के लिए थाईलैंड की तत्कालीन पीएम पाइतोंग्तार्न शिनवात्रा ने 15 जून को कंबोडिया के पूर्व पीएम हुन सेन को फोन लगाया। दोनों नेताओं के बीच 17 मिनट बात हुई जो कि लीक हो गई। इससे थाईलैंड की सियासत में भूचाल आ गया और शिनवात्रा को महज 15 दिन में इस्तीफा देना पड़ा और आखिर में 24 जुलाई को थाईलैंड और कंबोडिया के बीच संघर्ष शुरू हो गया।

अब तक इसमें 33 लोगों की मौत हो चुकी है, 2 लाख से ज्यादा लोग पलायन कर चुके हैं। अब अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प ने दावा किया है कि उनकी मध्यस्थता से दोनों देश सीजफायर वार्ता को तैयार हो गए हैं। साल 1907 में जब कंबोडिया फ्रांस के अधीन था तब दोनों देशों के बीच 817 किमी की लंबी सीमा खींची गई थी। थाईलैंड ने इसका विरोध किया, क्योंकि नक्शे में प्रीह विहियर (प्रिय विहार) मंदिर कंबोडिया के हिस्से में दिखाया गया था। वहीं, ता मुएन थॉम मंदिर को थाईलैंड में दिखाया गया, जबकि कंबोडिया इसे अपना मानता है। ऐसे में दोनों ही देश सीमा विभाजन से खुश नहीं थे। इस पर दोनों देशों में विवाद चलता रहा। हालांकि इस विवाद के बावजूद दोनों देशों के नेताओं के बीच अच्छे संबंध रहे हैं।

जस्टिस वर्मा की याचिका पर SC में सुनवाई

- कोर्ट ने पूछा- आप जांच कमेटी के सामने क्यों पेश हुए, फैसला हक में करने की कोशिश की

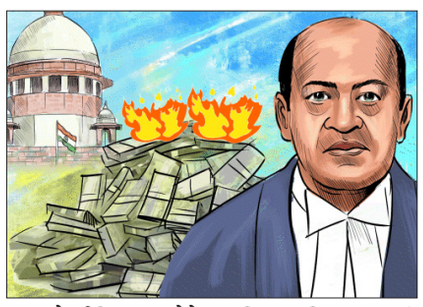

नई दिल्ली. सुप्रीम कोर्ट ने कैश कांड के आरोपी जस्टिस यशवंत वर्मा से सोमवार को पूछा, 'आप जांच कमेटी के सामने क्यों पेश हुए। क्या आपने पहले वहां से फैसला अपने हक में लाने की कोशिश की।

दरअसल, इलाहाबाद हाईकोर्ट के जस्टिस वर्मा ने उनके घर जले नकदी नोट मामले में इन-हाउस कमेटी की रिपोर्ट और महाभियोग की सिफारिश रद्द करने की अपील की गई है।

रिपोर्ट में जस्टिस वर्मा को दोषी ठहराया गया है। जस्टिस वर्मा की तरफ से सीनियर एडवोकेट कपिल सिब्बल ने दलील रखी। अगली सुनवाई 30 जुलाई को होगी।

जस्टिस की अपील- जल्द से जल्द बेंच गठित करें

23 जुलाई को पिछली सुनवाई में जस्टिस वर्मा की ओर से कहा गया था कि इसमें कुछ संवैधानिक मुद्दे हैं। कृपया जल्द से जल्द बेंच गठित करें। इस पर सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि मामले पर सुनवाई के लिए नई बेंच गठित करेंगे।

दूसरी तरफ, संसद में जस्टिस यशवंत वर्मा के खिलाफ महाभियोग की कार्यवाही भी शुरू हो गई है। जस्टिस वर्मा को हटाने के लिए 152 सांसदों ने 21 जुलाई को लोकसभा में अध्यक्ष ओम बिरला को ज्ञापन सौंपा। राज्यसभा में 50 से ज्यादा सांसदों ने प्रस्ताव पर साइन किए।

वहीं, सुनवाई से चीफ जस्टिस बीआर गवई ने खुद को अलग कर लिया है। उनका कहना है कि मेरे लिए इस केस की सुनवाई में शामिल होना उचित नहीं होगा, क्योंकि मैं पहले भी इसका हिस्सा रहा हूं।

अपने नेताओं को समझाइए कि जनता ने पर्चियां फेंकने के लिए नहीं भेजा

- राहुल गांधी से बोले ओम बिरला

नई दिल्ली. लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने सोमवार को सदन में प्रश्नकाल के दौरान नारेबाजी करने पर विपक्षी सांसदों को आड़े हाथों लिया। उन्होंने नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी से कहा कि वह अपने दल के नेताओं को समझाएं कि जनता ने उन्हें पर्चियां फेंकने और तख्तियां लाने के लिए नहीं भेजा है। बिरला ने यह भी कहा कि देश यह जानना चाहता है कि आखिर प्रश्नकाल को नियोजित तरीके से क्यों बाधित किया जा रहा है? कांग्रेस और अन्य विपक्षी दलों के नेताओं ने बिहार में जारी मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (SIR) के मुद्दे पर लोकसभा में सोमवार को भी नारेबाजी जारी रखी।

सदन की बैठक प्रारंभ होने पर लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने जैसे ही प्रश्नकाल शुरू कराया, विपक्षी दलों के सदस्य 'एसआईआर वापस लो' के नारे लगाने लगे। बिरला ने कहा, 'क्या आप सदन बाधित करना चाहते हैं, क्या ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा नहीं करना चाहते? आप लोग आए थे और कहा था कि ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा होनी चाहिए। आखिर अब सदन क्यों नहीं चलने दे रहे?' उन्होंने सदन में विपक्ष के नेता राहुल गांधी से कहा, 'माननीय नेता प्रतिपक्ष, आप अपने नेताओं को समझाओ कि इन्हें सदन में पर्चिया फेंकने और तख्तियां लाने के लिए नहीं भेजा गया है।'

नारेबाजी कर रहे सांसदों को खूब सुनाया

लोकसभा अध्यक्ष ने नारेबाजी कर रहे सांसदों से कहा, 'आप नियोजित तरीके से सदन को बाधित करते हैं। संसद की गरिमा को गिराते हैं। आप सदन में चर्चा नहीं कराना चाहते हैं।' उन्होंने कहा कि देश जानना चाहता है कि क्या आप नियोजित तरीके से प्रश्नकाल नहीं चलाना चाहते?

संक्षेप...

मंदिर का बर्तन चोर पुलिस की गिरफ्त में

भिवंडी. अशोक नगर स्थित जैन मंदिर में बर्तन की चोरी करने वाले चोर को पुलिस ने धर दबोचकर बर्तन बरामद किया है.

शांतिनगर पुलिस स्टेशन सीनियर पुलिस निरीक्षक विनायक गायकवाड़ ने बताया कि, 25 जुलाई रात को अशोक नगर स्थित जैन मंदिर में चोर दरवाजा खोलकर तांबा, पीतल, चांदी के बर्तन लेकर फरार हो गया था.मंदिर के बाहर परिसर में लगे हुए सीसीटीवी में चोरी की वारदात कैद हुई थी.पुलिस निरीक्षक गायकर की टीम ने 24 घंटे में ही चोर को हिरासत में लेकर चोरी का सारा बर्तन बरामद कर मंदिर प्रबंधक को सौंप दिया है.

MERC द्वारा बिजली की संशोधित दरें लागू

उल्हास विकास संवाददाता

भिवंडी. टोरेंट पावर ने सूचित किया है कि संशोधित टैरिफ आगामी बिलों से भिवंडी और शील-मुंब्रा-कलवा के उपभोक्ताओं पर भी लागू होगा। महाराष्ट्र विद्युत विनियामक आयोग (MERC) ने महाराष्ट्र राज्य विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड (MSEDCL) के उपभोक्ताओं के लिए संशोधित विद्युत दरों को 1 जुलाई, 2025 से लागू की है। यह आदेश केस नंबर 75 ऑफ 2025 के अंतर्गत 25 जून, 2025 को जारी किया गया है।

प्रमुख बदलाव इस प्रकार हैं:

1. विभिन्न श्रेणियों में टैरिफ संशोधनः 0-100 यूनिट/माह खपत करने वाले आवासीय ग्राहकों को लगभग 9% टैरिफ में कमी मिलेगी. 100 यूनिट/माह से अधिक खपत करने वाले उपभोक्ताओं को उनके टैरिफ में 0.5% से 3% की मामूली बढ़ोतरी मिलेगी। औद्योगिक और वाणिज्यिक उपभोक्ताओं को ऊर्जा शुल्क में कमी का लाभ मिलेगा, हालांकि फिक्स्ड चार्ज में हल्की वृद्धि होगी। फिक्स्ड चार्ज में लगभग 4.5% की वृद्धि की गई है। व्हीलिंग चार्ज को 1.17 प्रति यूनिट से बढ़ाकर 1.47 प्रति यूनिट किया गया है।

2. kVAh आधारित बिलिंग की शुरुआत: 1-जुलाई, 2025 से, सभी LT औद्योगिक, वाणिज्यिक और सार्वजनिक सेवा उपभोक्ता, जिनकी लोड 20 kW से अधिक है, उनको kVAh खपत

के आधार पर बिल किया जाएगा। अब ऊर्जा शुल्क kVAh यूनिट्स पर लागू होंगे, न कि kWh पर। फिक्स्ड/डिमांड चार्ज अब kVA डिमांड के आधार पर होंगे। उपभोक्ताओं को सलाह दी जाती है कि वेः पावर फैक्टर की नियमित निगरानी करें। कैपेसिटर या APFC पैनल इंस्टॉल करें और उसका नियमीत रखरखाव करें ताकि पावर फैक्टर 1 के करीब बना रहे। यदि पावर फैक्टर में गिरावट हुई तो बिल में उल्लेखनीय वृद्धि हो सकती है।

3. समय-आधारित (ToD) टैरिफ संरचना में बदलावः

यह बदलाव HT उपभोक्ता, LT-औद्योगिक, पावरलूम, वाणिज्यिक, सार्वजनिक सेवा श्रेणियों (10kW से अधिक लोड) तथा 10kW से कम लोड वाले औद्योगिक व वाणिज्यिक उपभोक्ता के लिए से लागू होगा।

 # सौर समय (9AM – 5PM) में उपयोग के लिए:

अप्रैल से सितंबर तक ऊर्जा शुल्क पर 15% की छूट।

अक्टूबर से मार्च तक ऊर्जा शुल्क पर 25% की छूट।

व्यस्त (पीक) समय (5PM – 12AM) में उपयोग के लिए:

औद्योगिक और वाणिज्यिक उपभोक्ताओं पर 25% अधिभार।

अन्य श्रेणियों के उपभोक्ताओं पर 20% अधिभार।

रात्रि समय छूट समाप्तः

पूर्व दी जाने वाली 1.50 प्रति यूनिट की रात्रि समय छूट अब हटा दी गई है। परिवर्तनकालीन (तीन से छह महीने) अवधि जब तक कि सिस्टम और मीटरों को इन परिवर्तनों के अनुरूप उन्नत नहीं कर दिया जाता, शाम 6 बजे से रात 10 बजे के बीच बिजली के उपयोग पर 1.30 प्रति यूनिट का अतिरिक्त शुल्क लागू किया जाएगा। अधिक जानकारी के लिए उपभोक्ताओं से अनुरोध है कि वे टोरेंट पावर ग्राहक सेवा केंद्र से संपर्क करें।

अंबरनाथ में भव्य कलश यात्रा संपन्न

- शिवसेना उत्तर भारतीय विभाग द्वारा सफल आयोजन
- सैकड़ों महिलाओं ने लिया भाग

उल्हास विकास संवाददाता

अंबरनाथ. अंबरनाथ शिवसेना उत्तर भारतीय विभाग अध्यक्ष प्रमोद कुमार चौबे के नेतृत्व में श्रावण महोत्सव निमित्त भव्य कलश यात्रा का आयोजन रविवार 27 जुलाई को सुबह 10 बजे से उनके जनसंपर्क कार्यालय केबी रोड, साइकिल कंपनी के सामने से शुरू हुआ. कलश यात्रा में बुवापाड़ा एवं आसपास के परिसर की सैकड़ों महिलाओं ने भाग लिया. महिलाएं भारी बारिश में दो घंटे तक सर पर कलश लेकर पैदल भास्कर नगर से विश्वेश्वर शिवमंदिर बुवापाड़ा में जलाभिषेक किया. इस कार्यक्रम के प्रमुख अतिथि विधायक डॉ. बालाजी किणीकर के शुभ हाथों से महादेव को दीप प्रज्ज्वलित कर छत्रपति शिवाजी महाराज को माल्यार्पण कर कलश यात्रा का शुभारंभ किया गया. गत कई वर्षों से प्रमोद कुमार चौबे कलश यात्रा का धार्मिक कार्यक्रम आयोजित करते हैं. किरण प्रमोद चौबे शिवसेना महिला विभाग संघटक ने कार्यक्रम का सफल आयोजन किया. प्रमुख उपस्थिति पूर्व नगराध्यक्ष सुनिल चौधरी, पूर्व उप नगराध्यक्ष अब्दुल शेख, मालती पवार, उमेश गुंजाल, लेनिन मुक्कू, उद्योजक ज्ञानधर मिश्रा, राजकुमार वर्मा, संदीप मांजरेकर, पवन वालेकर, मीना वालेकर, उमेश गुंजाल, सुरेंद्र यादव व शहर के प्रख्यात मान्यवरों ने कार्यक्रम में अपनी उपस्थिति दर्ज कराई. कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए शैलेष यादव, पूनम दुबे, गुड्डी पांडेय, पटवा, मिश्रा आदि ने परिश्रम किया.

प्रत्येक प्रभाग में अतिरिक्त बीट निरीक्षक की नियुक्ति

भिवंडी. भिवंडी मनपा प्रशासक,आयुक्त अनमोल सागर ने शहर में होने वाले अवैध निर्माण रोकने सहित अतिक्रमण हटाने को बेहद गंभीरता से लिया है. उन्होंने मनपा कामकाज को बेहद पारदर्शिता एवं चुस्त दुरुस्त तथा समय से अंजाम देने के लिए प्रत्येक प्रभाग समिति में एक अतिरिक्त बीट निरीक्षक की नियुक्ति कर दैनिक कामकाज को मनपा नियमों के तहत फास्ट तरीके से निपटाए जाने के आदेश दिए हैं.

गौरतलब हो कि, भिवंडी मनपा अंतर्गत 5 मनपा प्रभाग समितियों में अवैध निर्माण रोकने एवं अतिक्रमण हटाने सहित अन्य दैनिक कामकाज निपटारे की

खातिर सहायक आयुक्त के तहत क्षेत्रीय देखरेख के लिए एक बीट निरीक्षक होता था. भिवंडी मनपा में कुल 90 वार्ड होने से करीब 18 वार्ड वाली मनपा प्रभाग समितियों में अवैध निर्माण,अतिक्रमण हटाने सहित तमाम दैनिक कामकाज के निरीक्षण के लिए मैन पावर बेहद कम होने से नागरिकों की अनगिनत शिकायतों पर काफी लेटलतीफ एक्शन होता था.शिकायतों का निवारण नहीं होने पर नागरिकों में भारी नाराजगी देखी जाती थी. भिवंडी मनपा प्रशासक, आयुक्त अनमोल सागर ने अपने अधीनस्थ अधिकारियों से चर्चा के उपरांत शहर विकास से जुड़े मुद्दे को गंभीरता से लेते हुए प्रत्येक मनपा प्रभाग समिति में एक अतिरिक्त बीट निरीक्षक की तैनाती कर जनहित मुद्दों का त्वरित समाधान सहित शहर में होने वाले अवैध निर्माण एवं अतिक्रमण को रोकने की खातिर कड़क एक्शन लेने के आदेश दिए हैं.शहरवासियों को आशा है कि,प्रशासक अनमोल सागर के कदम से शहर विकास के कार्यों में पारदर्शिता एवं तेजी आएगी.अतिरिक्त बीट निरीक्षक की नियुक्ति से भिवंडी शहर में तेजी से शुरू अवैध निर्माण, सड़क अतिक्रमण रुकेगा. भिवंडी शहर विकास की तरफ अग्रसर होगा.

लापरवाह अधिकारी, कर्मचारी नपेंगे

मनपा कामकाज में लापरवाही बरतने वाले अधिकारी,कर्मचारी दंडित होंगे .भ्रष्टाचार में लिप्त पाए जाने पर कड़क कार्यवाही होगी .अधिकारियों द्वारा जन समस्याओं का समाधान प्राथमिकता से किया जाना चाहिए.

-अनमोल सागर.
प्रशासक,आयुक्त.

भिवंडी में राकांपा (अप) जनाधार बढ़ाने में जुटी

- संपर्क कार्यालय द्वारा लोगों की समस्या का हो रहा समाधान

भिवंडी. आगामी भिवंडी मनपा चुनाव के मद्देनजर राकांपा (अजीत गट)भिवंडी जिलाध्यक्ष प्रवीण पाटिल राकांपा कार्यकर्ताओं के सहयोग से पार्टी को मजबूत करने में जुटे हैं. शहर के नागरिकों की बुनियादी समस्याओं के निवारण की खातिर राकांपा द्वारा विभिन्न एरिया में जनसंपर्क कार्यालय तेजी से खोले जाना शुरू है. भिवंडी शहर में राकांपा के निरंतर बढ़ते जनाधार को देखकर अन्य राजनीतिक दलों में खलबली मची है.

गौरतलब हो कि,आगामी मनपा चुनाव के मद्देनजर राकांपा (उप मुख्यमंत्री अजीत गट) शहर जिलाध्यक्ष प्रवीण पाटिल अपने अनुभव एवं राजनीतिक कौशल से पार्टी को मजबूत करने में जुटे हैं.राकांपा भिवंडी जिलाध्यक्ष प्रवीण पाटिल चुनावी व्यूह रचना के तहत राकांपा पदाधिकारी, कार्यकर्ताओं से विधिवत चर्चा के उपरांत शहर में कई जगह जन संपर्क कार्यालय खोलकर जनता की बुनियादी समस्याओं का समाधान शासकीय एजेंसियों के सहयोग से अंजाम देने के प्रयास करने में जुटे है. राकांपा के जनसंपर्क अभियान से अन्य दलों के कार्यकर्ता भारी तादाद में राकांपा से जुड़ रहे हैं.

घूंघट नगर में राकांपा जिला विद्यार्थी सेनाध्यक्ष राज केसरवानी के जनसंपर्क कार्यालय का उद्घाटन राकांपा जिलाध्यक्ष प्रवीण पाटिल द्वारा भारी संख्या में मौजूद कार्यकर्ताओं की मौजूदगी में गर्मजोशी से किया गया.उक्त अवसर पर राकांपा वरिष्ठ उपाध्यक्ष नामदेव अहिरे, विराज पवार, राकांपा डॉक्टर सेल अध्यक्ष संदीप सोनी सहित राकांपा पदाधिकारी, कार्यकर्ता भारी तादाद में उपस्थित थे.

पद्मश्री अन्नासाहेब जाधव मरणोपरांत समाज भूषण पुरस्कार से सम्मानित

भिवंडी. भिवंडी सुप्रसिद्ध शिक्षण संस्थान भारतीय समाज उन्नति मंडल के संस्थापक पद्मश्री अन्नासाहेब जाधव को मरणोपरांत संत रोहिदास सामाजिक संस्था द्वारा समाज भूषण पुरस्कार से सम्मानित किया गया. अन्नासाहेब के बेटे और संस्था वर्तमान अध्यक्ष विजय जाधव ने राज्य के वन मंत्री गणेश नाइक के हाथों पुरस्कार स्वीकार किया. उक्त अवसर पर सांसद डॉ. हेमंत सावरा, पूर्व विधायक हितेंद्र ठाकुर, पूर्व जिला परिषद अध्यक्ष बबन नाइक, पूर्व चार्टर्ड अधिकारी डॉ. किरण जाधव, समारोह अध्यक्ष एवं राजाराम मुकणे संत रोहिदास सामाजिक संस्था अध्यक्ष संदेश जाधव, कार्यकारी अध्यक्ष भागीरथ भोईर, मुख्य सलाहकार दीपक खंबित सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित थे.

आम सूचना

मैं श्रीमती मनिषा भूपेश मोरे सभी को सूचित कर रही हूं कि फ्लैट नं. 404, चौथा माला, सिल्वर लाइन को.आप. हाउसिंग सोसायटी लि. ब्लॉक नं. ए-491-492 रुम नं. 982-983, शिव मार्ग, लाल चक्की, उल्हासनगर- 4. (टैक्स नं. 40सीओ012643100) उक्त प्रॉपर्टी श्री प्रकाश ताराचंद मोरे के नाम पर है। उन्होंने गिफ्ट एग्रीमेंट दि. 24.7.2025 द्वारा मुझे दी है। जिस कारण उक्त जायदाद मैं अपने नाम करवाना चाहती हूं। अगर इस जायदाद पर किसी भी व्यक्ति का कोई हक्क वास्ता हो तो वो सारे सबूतों के साथ 7 दिनों के भीतर उपरोक्त दिए गए पत्ते अथवा उल्हासनगर महानगरपालिका के टैक्स विभाग में संपर्क कर सकते हैं। अन्य 7 दिनों के बाद कोई भी व्यक्ति अपना दावा पेश नहीं कर सकता है।

सही/-
श्रीमती मनिषा भूपेश मोरे

कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न से महिलाओं का संरक्षण

निजी प्रतिष्ठानों को SHE BOX पोर्टल पर पंजीकरण कराना अनिवार्य

ठाणे. निजी कार्यस्थल पर महिलाओं का यौन उत्पीड़न अधिनियम 2013 के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु पोष अधिनियम की धारा 4(1) के अंतर्गत 10 या अधिक कर्मचारियों वाले सभी निजी प्रतिष्ठानों में एक आंतरिक समिति का गठन अनिवार्य है। साथ ही SHE BOX पोर्टल पर इस आंतरिक समिति के पंजीकरण के संबंध में केंद्र सरकार के निर्देश भी हैं। इसके लिए, जिला महिला एवं बाल विकास अधिकारी नमिता शिंदे ने ठाणे जिले के सभी निजी प्रतिष्ठानों से SHE BOX पोर्टल पर पंजीकरण कराने की अपील की है ISHE BOX पोर्टल पर निजी प्रतिष्ठानों में आंतरिक समिति के पंजीकरण की प्रक्रिया इस प्रकार है। SHE BOX पोर्टल पर आंतरिक समिति पंजीकृत करने के लिए वेबसाइट https://shebox.wcd.gov .in की होम स्क्रीन पर दिखाए गए निजी प्रधान कार्यालय पंजीकरण टैब पर क्लिक करें, सभी आवश्यक विवरण भरें और आंतरिक समिति की जानकारी दर्ज करने के लिए सबमिट टैब पर क्लिक करें, जिला महिला और बाल विकास अधिकारी नमिता शिंदे ने बताया।

म्हाडा के एक डिप्टी रजिस्ट्रार की पत्नी ने की आत्महत्या

मुंबई. म्हाडा के एक डिप्टी रजिस्ट्रार की पत्नी ने पैसों के लिए लगातार प्रताड़ित किए जाने से तंग आकर शनिवार रात फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। पुणे में रहने वाले मृतक महिला के भाइयों ने इस संबंध में महिला के अधिकारी पति और सास के खिलाफ समता नगर पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई है।

आरोप लगाया गया है कि दहेज के लिए लगातार शारीरिक और मानसिक प्रताड़ना के कारण मेरी बहन ने आत्महत्या कर ली।

आम सूचना

मैं श्रीमती विमलादेवी राकेशकुमार कुशवाहा सभी को सूचित कर रही हूं कि शॉप 57/01, सोप फैक्ट्री के पीछे, गाला नं. 19, विजय कंपाऊंड, दुर्गा पाड़ा, उल्हासनगर- 5. (टैक्स नं. 13बीआय015461800) उक्त प्रॉपर्टी श्री सुरेंद्र फुलचंद गुप्ता के नाम पर है। उनसे सेल एग्रीमेंट दि. 24.7.2025 द्वारा मैंने खरीदी है। जिस कारण उक्त जायदाद मैं अपने नाम करवाना चाहती हूं। अगर इस जायदाद पर किसी भी व्यक्ति का कोई हक्क वास्ता हो तो वो सारे सबूतों के साथ 7 दिनों के भीतर उपरोक्त दिए गए पत्ते अथवा उल्हासनगर महानगरपालिका के टैक्स विभाग में संपर्क कर सकते हैं। अन्य 7 दिनों के बाद कोई भी व्यक्ति अपना दावा पेश नहीं कर सकता है।

सही/-
श्रीमती विमलादेवी राकेशकुमार कुशवाहा

शहापुर में शेड गिरने से एक व्यक्ति की मौत

शहापुर. शहापुर तालुका में एक घटना सामने आई है जहाँ तेज़ हवाओं के कारण एक शेड गिर गया, जिससे एक व्यक्ति की मौत हो गई। स्थानीय पुलिस ने जानकारी दी कि मृतक की पहचान दुंदा मल्हारी निमसे (56) के रूप में हुई है। दुंदा मल्हारी निमसे शाहपुर तालुका के अल्यानी गाँव में रहते थे। उन्होंने अपने घर के पास कृषि उपकरण और सूखी लकड़ी रखने के लिए एक शेड बनवाया था। निमसे अपने घर के पास एक शेड में सो रहे थे। इसी दौरान तेज़ हवाओं के कारण शेड उनके ऊपर गिर गया। इस घटना में निमसे की मौत हो गई।

दिवा में अवैध निर्माण के कटे नल कनेक्शन

ठाणे. दिवा प्रभाग समिती के अंतर्गत अनधिकृत निर्माणों के 14 नल कनेक्शन काटे गए हैं।ठाणे मनपा के जल आपूर्ति विभाग द्वारा की गई कार्रवाई में 10 मोटर पंप ज़ब्त किए गए, जबकि 11 बोरवेल बंद किए गए।यह सभी नल कनेक्शन अवैध रूप से लिए गए थे। इस संबंध में मामला दर्ज करने की भी कार्रवाई की जा रही है।यदि अनधिकृत निर्माणों को पानी की आपूर्ति की गई है, तो उसके दस्तावेज़ों की जाँच की जानी

चाहिए। साथ ही, यदि निर्माण अवैध है, तो नल कनेक्शन तुरंत काट दिया जाना चाहिए। इसी प्रकार, यदि मनपा की जल आपूर्ति से अवैध रूप से नल कनेक्शन लिया गया है, तो उसे भी तुरंत काट दिया जाना चाहिए,यह मनपा आयुक्त सौरभ राव ने जल आपूर्ति विभाग निर्देश दिया था। दिवा में 25 और 26 जुलाई को अनधिकृत निर्माणों के पानी के कनेक्शन काटने के लिए एक विशेष अभियान चलाया गया,यह उपनगर अभियंता (जल आपूर्ति विभाग) विनोद पवार ने बताया। इस अभियान में, आंशिक रूप से निर्मित और कब्जे वाले अनधिकृत निर्माणों का निरीक्षण किया गया और उनके पानी के कनेक्शन काटे गए। कुछ स्थानों पर पंप भी जब्त किए गए और बोरवेल भी बंद किए गए पवार ने बताया।दिवा प्रभाग समिति के शील-महापे रोड, दातिवली रोड, शांति नगर, मुनीर कंपाउंड क्षेत्रों में यह कार्रवाई की गई।

आम सूचना

हम श्रीमती पुष्पा राधाकिशन चावला व श्री राकेश राधाकिशन चावला सभी को सूचित कर रहे हैं कि फ्लैट नं. 404, ए-विंग, मेनका पार्क, प्रभात गार्डन के पास, उल्हासनगर-5. (टैक्स नं. 52डीआय011297100) उक्त प्रॉपर्टी श्रीमती निलम मुकेशलाल रामचंदानी अल्यास निलम राधाकिशन चावला व श्रीमती रीना महेश तलरेजा अल्यास संगीता मुकेशलाल रामचंदानी के नाम पर है। उन्होंने रिलीज एग्रीमेंट दि. 27.7.2025 द्वारा हमें दी है। जिस कारण उक्त जायदाद हम अपने नाम करवाना चाहते हैं। अगर इस जायदाद पर किसी भी व्यक्ति का कोई हक्क वास्ता हो तो वो सारे सबूतों के साथ 7 दिनों के भीतर उपरोक्त दिए गए पत्ते अथवा उल्हासनगर महानगरपालिका के टैक्स विभाग में संपर्क कर सकते हैं। अन्य 7 दिनों के बाद कोई भी व्यक्ति अपना दावा पेश नहीं कर सकता है।

सही/-
श्रीमती पुष्पा राधाकिशन चावला
व श्री राकेश राधाकिशन चावला

पति से 12 साल अंतर पर गौहर खान ने किया रिएक्ट

- कहा- 'इंडस्ट्री में कई जोड़े...'

एक्ट्रेस और 'बिग बॉस 7' की विनर गौहर खान इन अक्सर किसी न किसी वजह से सुर्खियों में बनी रहती हैं। गौहर फिल्मों के साथ कई रियलिटी शोज में भी नजर आ चुकी हैं। गौहर खान जल्द ही दूसरी बार मां बनने वाली हैं। गोहर ने इस वक्त अपने काम से ब्रेक लिया है। हालांकि, वो सोशल मीडिया पर खूब एक्टिव हैं। इसी बीच गौहर अपने एक इंटरव्यू को लेकर चर्चा में बनी हैं। इस इंटरव्यू में गौहर ने पति जैद दरबार संग उम्र के अंतर को लेकर रिएक्ट किया है।

ये सिर्फ मीडिया की बात थी

गौहर खान हाल ही में एक्ट्रेस देबिना बनर्जी के पॉडकास्ट का हिस्सा बनीं। इस दौरान गौहर ने पर्सनल और प्रोफेशनल लाइफ को लेकर खुलकर बात की। गौहर ने देबिना बनर्जी के पॉडकास्ट में बताया कि उनकी शादी जैद दरबार से हुई नहीं थी, लेकिन उसके पहले से ही दोनों के रिश्तों के बारे में मीडिया में लिखा जाने लगा था। एक्ट्रेस ने कहा, 'ये सिर्फ मीडिया की बात थी। मीडिया जल्दबाजी में रिजल्ट पर पहुंच जाती है। हमारी तरफ से तो कुछ भी पब्लिक नहीं हुआ था और पहली हेडलाइन थी कि 12 साल छोटे से शादी। 12 साल? ये बात कहां से आ गई? पहले एक बार हमसे तो पूछ लो।'

पहाड़ में फंसे बच्चों को सुरक्षित निकालने में मिली सफलता

- घटनास्थल पर कोई घायल नहीं हुआ

ठाणे. आपदा प्रबंधन सेल को शनिवार लगभग रात साढ़े दस बजे मिली जानकारी के अनुसार मुंब्रा दलम बंगला के पास आदिवासी पाड़ा, गावदेवी, मुंब्रा बाईपास इस स्थान पर लगभग 3 बजे 5 बच्चे आदिवासी पाड़ा, गावदेवी में पहाड़ पर टहलने गए थे और वापस आने का रास्ता न मिलने के कारण पहाड़ में फंस हुए हैं।यह जानकारी आपदा प्रबंधन अधिकारी यासीन तड़वी ने दी।बचाव के लिए एक वाहन के

साथ 1 अग्निशमन कर्मी, मुंब्रा प्रभाग समिति के आपदा प्रबंधन प्रकोष्ठ के 1 कर्मचारी, एक पिकअप वाहन के साथ मुंब्रा पुलिस कर्मी घटनास्थल पर पहुंच गए।

पहाड़ पर में फंसे बच्चों का विवरण इस प्रकार है

सैयद अयूब उम्र 18 वर्ष, निवासी अमृतनगर, मुंब्रा। शोएब खान उम्र18 वर्ष, निवासी अमृतनगर मुंब्रा। अमूर खान उम्र 18 वर्ष, निवासी दारुलफला मस्जिद के पास, अमृतनगर, मुंब्रा।अरहान खान उम्र 18 वर्ष, निवासी अमृतनगर, मुंब्रा। मुदस्सिर गुफ़ारे उम्र18 वर्ष, निवासी अमृतनगर, मुंब्रा।इस घटना स्थल पर पहाड़ों में फंसे बच्चों को अग्निशमन कर्मियों और स्थानीय नागरिकों ने लगभग रात साढ़े ग्यारह बजे सुरक्षित बचा लिया और बच्चों को मुंब्रा पुलिस कर्मियों को सौंप दिया गया।

यह वृत्तपत्र प्रकाशक, मुद्रक, संपादक **श्री हीरो अशोक बोधा** ने श्री गोपाल प्रेस, ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से छपवाकर ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से प्रकाशित किया. **आर.एन.आई. नं. 43638/85** Email: ulhasvikas@gmail.com संपादकीय-विज्ञापन फोन : 2709099